E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष :11, अंक : 271 | प्रयागराज,बुधवार 04 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2:00 रुपये

सुबह 6:50 बजे
शाम 5:28 बजे

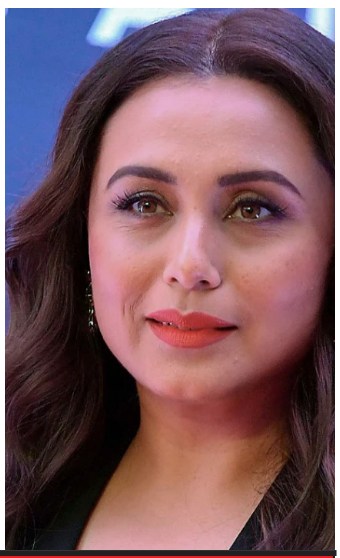

खेल:बीसीसीआई का बड़ा ऐलान- ऑस्ट्रेलिया के... | विविध:ट्रैकिंग के शौकीन हैं तो दक्षिण भारत... | सिनेमा:सिनेमा के 30 साल और निडर सफर! बिना...

संक्षिप्त समाचार

आदित्य ठाकरे का मोदी सरकार पर तीखा हमला, बोले- लोकतंत्र में मजबूत, राष्ट्रहित में कमजोर

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार लोकतंत्र के मामले में मजबूत होने का दावा करती है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में कमजोर है। उन्होंने केंद्र सरकार से व्यापार समझौते की स्पष्ट व्याख्या करने और एक खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों के जवाब देने की मांग की। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि भाजपा की भारत सरकार: लोकतंत्र, लोकतांत्रिक विपक्ष, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, पर्यावरण सक्रियता और सामान्य ज्ञान के पक्ष और विपक्ष में मजबूत।

शशिकला का डीएमके पर बड़ा हमला- खत्म होगा वंशवादी शासन

नई दिल्ली। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम की निष्कासित अम्मा पेरावई शाखा की महासचिव वी.के. शशिकला ने मंगलवार को केंद्रीय बजट 2026 पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बदलाव न होना जनता के लिए निराशाजनक है। चेन्नई के मरीना बीच स्थित पूर्व मुख्यमंत्री पेरागनर अन्ना के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शशिकला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु की जनता अच्छी तरह जानती है कि गद्दार कौन हैं और असली विरोधी कौन हैं। शशिकला ने जोर देकर कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पुरची थलाइवर एमजीआर और पुरची थलाइवी जयललिता के शासन को वापस लाना है, जो पार्टी के पूर्व नेताओं की विरासत को दर्शाता है।

अमेरिकी व्यापार समझौता में छिपा क्या है? शशि थरूर ने उठाए सवाल सरकार से मांगी पूरी पारदर्शिता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर स्पष्टता की मांग करते हुए कहा कि भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन सरकार को इसके विवरण स्पष्ट करने चाहिए। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। हमारे पास श्री ट्रंप और श्री मोदी के ट्वीट हैं; क्या संसदीय लोकतंत्र में इतना काफी है? क्या भारत सरकार को आकर देश की जनता को यह नहीं बताना चाहिए कि समझौते में क्या है? थरूर ने भारतीय किसानों और व्यापार पर समझौते के प्रभाव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि कृषि के लिए क्या सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

बजट सत्र: लोकसभा में इण्डिया ब्लॉक का जोरदार हंगामा, नारेबाजी के बाद कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद संसद के निचले सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की अध्यक्षता करते हुए सांसद कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों से सदन में प्रदर्श न उठाने को कहा। लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच टेनेटी ने सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। लोकसभा का सत्र, जो सुबह 11 बजे शुरू हुआ था, इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाने के बाद पहले 11:08 बजे स्थगित कर दिया गया था।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह प्रस्ताव पेश किया कि सदन 2 फरवरी को सदन में प्रस्तुत व्यापार सलाहकार समिति की चौदहवीं रिपोर्ट से सहमत हो। यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया। कार्यवाही की शुरुआत कांग्रेस नेता सुरुपसिंह हिरया नायक के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जिनका निधन दिसंबर 2025 में हुआ था। आज सुबह, कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया और भारतीय उद्योगों और किसानों के लिए इसके 'प्रतिकूल परिणामों' का दावा किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। अपने स्थगन प्रस्ताव में केसी वेणुगोपाल ने कहा कि समझौते का विवरण संसद के समक्ष नहीं रखा गया है। आज संसद सत्र से पहले, भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'जय मोदी', 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर बधाई दी, जब प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में एनडीए संसदीय दल की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार समझौता किया।

संसद के दोनों सदनों में मंगलवार को चल रहे बजट सत्र के दौरान 'राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव' पर चर्चा जारी रहेगी। लोकसभा में यह प्रस्ताव सरबानंदा सोनोवाल ने पेश किया और तेजस्वी सूर्या ने इसका समर्थन किया। उच्च सदन में भाजपा सांसद सदानंद मास्टर ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया और सोमवार को अपने कृत्रिम अंगों को बेंच पर रखकर भावुक भाषण दिया। यह प्रस्ताव राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 28 जनवरी को बजट सत्र के प्रारंभ में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिए गए अभिभाषण के जवाब में लाया गया है।

गुजरात की झांकी ने नई दिल्ली में रचा इतिहास लोकप्रिय विकल्प में लगातार चौथी बार जीता अवॉर्ड

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परेड में गुजरात की झांकी ने लगातार चौथे वर्ष 'लोकप्रिय पसंद श्रेणी' में प्रथम पुरस्कार जीता। गुजरात मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सूचना आयुक्त के सचिव विक्रांत पांडे और किशोर बचानी ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को विजेता ट्रॉफी और प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य सचिव एमके दास, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजीव कुमार और सूचना आयुक्त कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रविवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का बजट, विकसित और आत्मनिर्भर भारत की ओर सुधार की गति को गति प्रदान करता है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन में तैयार किया गया यह बजट तीन मुख्य उद्देश्यों पर केंद्रित है। इनमें से पहला उद्देश्य आर्थिक विकास को गति देना और उसे सतत बनाए रखना है; दूसरा उद्देश्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमता का निर्माण करना है। तीसरा उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास' के दृष्टिकोण के अनुरूप है और कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सभी के लिए समावेशी विकास को प्राथमिकता देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट 'ज्ञान' के स्तंभों, अर्थात् गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति और दिव्यांगजनों को मजबूत करेगा। इसके अलावा, विकसित भारत के निर्माण में समाज के सभी वर्गों और जनसंख्या के हर वर्ग को शामिल करने के लिए एक अत्यंत सराहनीय दृष्टिकोण अपनाया गया है।

राज्य सभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर संग्राम जेपी नडडा बोले-कांग्रेस का रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारत-अमेरिका समझौते को लेकर विपक्ष की नारेबाजी के बीच, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार समझौते का विवरण साझा करते हुए स्वतः संज्ञान लेते हुए एक बयान जारी करेगी और सदन में इस पर चर्चा करने के लिए भी तैयार है। जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि कल देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ को लेकर ट्वीट किया और प्रधानमंत्री मोदी को सच्चा मित्र बताया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए और व्यापार को लेकर ट्वीट किया। सरकार इस व्यापार समझौते पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक बयान जारी करेगी और इस पर चर्चा भी करेगी।

नड्डा ने व्यापार समझौते पर कांग्रेस की आपत्ति पर भी जमकर निशाना साधा और सदन में उनकी नारेबाजी को गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बताया, जो उनके अनुसार लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार विस्तृत बयान देने को तैयार है, तब कांग्रेस और

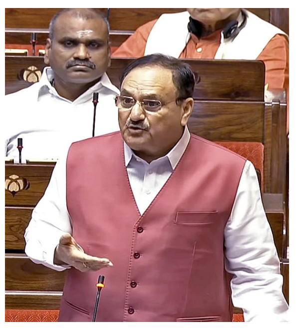

भारत-भारत गठबंधन का यह रवैया गलत है। उनका यह तरीका लोकतंत्र के लिए खतरा है। यह कांग्रेस का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। यह उनकी हताशा है जो बोल रही है। यह तब हुआ जब भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता हुआ जिसके तहत भारतीय निर्यात पर टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। हालांकि, कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा विवरण मांगा है और कई अहम पहलुओं पर सवाल उठाए हैं, जैसे कि कृषि क्षेत्र को खोलने के दावे, टैरिफ को 'शून्य' करने की मांग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए गए रूसी तेल की खरीद पर रोक।

कांग्रेस ने पहले समझौते की घोषणा के तरीके पर सवाल उठाया, फिर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साझा किए गए विवरणों की गहराई से जांच की। पार्टी ने कहा कि अमेरिका के खिलाफ टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को 'शून्य' करने से भारत पर 'असर' पड़ेगा और यह भी सवाल उठाया कि कृषि क्षेत्र को खोलने से 'किसानों की सुरक्षा' कैसे सुनिश्चित होगी। कांग्रेस ने कहा कि युद्धविराम की तरह ही व्यापार समझौते की घोषणा भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की है। इसमें कहा गया है कि यह व्यापार समझौता 'मोदी के अनुरोध पर' किया जा रहा है।

बिहार बजट सत्र में गूंजा नीट छात्रा की मौत का मामला मैथिली ठाकुर ने मांगा इंसाफ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक मैथिली ठाकुर ने सोमवार को कहा कि वे बिहार विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को सक्रिय रूप से उठा रही हैं। यह कदम पहली बार चुने गए विधायकों के लिए आयोजित ब्रीफिंग के बाद उठाया गया है। एएनआई से बात करते हुए ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल ने कई बातों का जिक्र किया और बताया कि बिहार पिछले कुछ वर्षों में कैसे विकसित हुआ है, पहले कैसा था और अब कैसे बेहतर हुआ है। उनके भाषण की एक प्रति अभी भी मेरे पास है, जिसमें बिहार की वर्तमान स्थिति के बारे में उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़े भी शामिल हैं। मैथिली ठाकुर ने आगे कहा कि आज सभी कार्यवाही समझाई गई और यह भी बताया गया कि हमें हर कार्यदिवस पर उपस्थित रहना होगा।

नक्सल आतंक का उलटी गिनती शुरू! सिर्फ 8 जिलों में सिमटा, संसद में नित्यानंद राय का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को कहा कि वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) द्वारा की गई हिंसा में 2010 की तुलना में 88 प्रतिशत की कमी आई है, और नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में 90 प्रतिशत की कमी हुई है। भाजपा सांसद रूपकुमारी चौधरी के एक गैर-तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि 2025 में नागरिकों और सुरक्षा बलों की 100 मौतें दर्ज की गईं, जबकि 2010 में यह संख्या 1005 थी। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा बलों ने 2025 में 364 नक्सलियों को मार गिराया, 1022 को गिरफ्तार किया और 2337 को आत्मसमर्पण करने में सहायता प्रदान की। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि लंग्वेज उग्रवाद द्वारा की गई हिंसा की घटनाएं 2010 में 1936 के उच्च स्तर से घटकर 2025 में 234 रह गईं, जो 88इ की गिरावट है। इसके परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें भी 2010 में 1005 के उच्च स्तर से घटकर 2025 में 100 रह गईं, जो 90प्रतिशत की गिरावट है। 2025 में, सुरक्षा बलों ने 364 नक्सलियों को मार

गिराया, 1022 को गिरफ्तार किया और 2337 को आत्मसमर्पण करने में सहायता प्रदान की।

उन्होंने यह भी बताया कि 2025 में हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट केवल 119 पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गई, जबकि 2010 में यह संख्या 465 थी। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की रिपोर्ट करने वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 2010 में 465 से घटकर 2025 में 119 रह गई है। उन्होंने आगे बताया कि अब केवल आठ जिले ही वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं, जिनमें से छह छत्तीसगढ़ के हैं। नित्यानंद राय ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 8 जिले हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ के 6 जिले, झारखंड का 1 जिला और ओडिशा का 1 जिला शामिल हैं। यह सरकार के उस लक्ष्य के अनुरूप है जिसके तहत भारत को 31 मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करना है। इससे पहले, गृह मंत्रालय ने 2025 के लिए अपनी वर्ष-अंत समीक्षा जारी की। गृह मंत्रालय ने खुलासा किया कि छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में चलाए गए कई बड़े अभियानों के परिणामस्वरूप 2025 में 300 से अधिक वामपंथी उग्रवाद कार्यकर्ताओं को निष्क्रिय कर दिया गया, जो एक वर्ष में अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद,सीएम फेस पर सस्पेंस!

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में मुख्यमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भगवा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस कदम से संकेत मिलता है कि पार्टी राष्ट्रपति शासन की समाप्ति से पहले एक निर्वाचित सरकार को बहाल करने की तैयारी कर रही है। सत्ताधारी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेता और विधायक, भाजपा की मणिपुर इकाई के प्रमुख के साथ, आज होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यह बैठक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के छह महीने के विस्तार की समाप्ति से कुछ ही दिन पहले हो रही है, जो 12 फरवरी को समाप्त हो रहा है। इससे नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मणिपुर में पिछले साल 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है, जब पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को विधायकों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव की धमकी के बीच इस्तीफा दे दिया था। राज्य में 3 मई, 2023 को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से लंबे समय से अशांति बनी हुई है, जिसमें 260 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। राष्ट्रपति शासन की समय सीमा नजदीक आने के साथ ही लोकप्रिय सरकार की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले इम्फाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा विधायक एन बीरेन सिंह ने कहा कि एनडीए के सभी विधायकों को बैठक के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों की हालिया बैठक के बाद महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं। चूंकि एनडीए के सभी सहयोगी दलों को बुलाया गया है, इसलिए सरकार गठन की प्रबल संभावना है। राष्ट्रीय जन पार्टी (एनपीपी) के विधायक जांगहेमलुंग पानमेई ने सतर्कता बरतते हुए कहा कि गठबंधन राज्य में स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करेगा।

जेल से सीधे बिहार विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह, शपथ लेते ही छुए सीएम नीतीश के पैर

नई दिल्ली। मंगलवार को मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली, जिस पर सदन में काफी ध्यान गया। दुलारचंद यादव हत्याकांड में तीन महीने से न्यायिक हिरासत में रहे सिंह ने शपथ पत्र पढ़े बिना ही शपथ ग्रहण समारोह पूरा कर लिया। शपथ लेने के तुरंत बाद वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गए, उनके पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने उनसे माथे पर लगे तिलक के बारे में पूछा, जिसके बाद सिंह सदन के सदस्यों की निगाहों के सामने अपनी सीट पर लौट आए। पटना सिविल कोर्ट ने सिंह को केवल शपथ ग्रहण के लिए अनुमति दी थी। जमानत अभी तक मंजूर नहीं हुई है, इसलिए विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होते ही उन्हें ब्युर जेल लौटना होगा।

संसद में फिर गूंजा चीन का मुद्दा

राहुल गांधी के बोलते ही मचा बवाल, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चीन का मुद्दा उठाने पर भाजपा सांसदों द्वारा कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद लोकसभा को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया, जिससे सदन में व्यवधान उत्पन्न हुआ। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि उन्हें लोकसभा में बोलने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है, और जोर देकर कहा कि उन्हें बोलने के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने व्यवधानों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मैं विपक्ष का नेता हूं। उन्होंने कहा कि वह केवल हाल के घटनाक्रमों और सरकार की प्रतिक्रिया के संबंध में सदन के समक्ष तथ्य रखना चाहते हैं।

अपने संबोधन के दौरान, राहुल गांधी ने पूर्वी लद्दाख सीमा पर अतीत में हुए तनावों का जिक्र करते हुए भारत-चीन संबंधों का मुद्दा उठाने की कोशिश की। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री ने इन घटनाक्रमों पर क्या प्रतिक्रिया दी थी और संसद को पर्याप्त जानकारी क्यों नहीं दी जा रही थी। लोकसभा में बोलते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संबंधों पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा प्रमुख घटनाक्रमों पर दी गई प्रतिक्रिया से संबंधित भाषण के एक पुष्टिकृत बिंदु का उल्लेख किया। राहुल गांधी ने कहा कि चीन-अमेरिका संघर्ष अब वैश्विक मामलों पर हावी है और भारत की विदेश नीति के मार्ग का केंद्रबिंदु है। राहुल गांधी ने कहा कि वह भारत और चीन के बीच हुई घटना और प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया पर ही अपनी बात रखना चाहते थे और उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें क्यों रोका जा रहा है। सदन में यह मुद्दा उठाते ही कई भाजपा सांसदों ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई। इस व्यवधान के कारण कुछ देर के लिए सदन में व्यवधान उत्पन्न हुआ और अध्यक्ष ने चर्चा के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति के भाषण में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित है। पाकिस्तानियों, चीनियों और हमारे बीच के संबंध। इस लेख में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है जिसकी मैंने पुष्टि की है। यह प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया के बारे में बात करता है... हमारे राष्ट्रपति का भाषण उस मार्ग के बारे में था जिस पर भारत को आज चलना है।

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल: अजेय टीम इंडिया की अफगानिस्तान से टक्कर,फाइनल पर टिकीं निगाहें

नई दिल्ली। बुधवार को हरारे में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में अपराजित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ स्पष्ट रूप से प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारत ने अब तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं। उसकी सबसे हालिया जीत सुपर सिक्स के निर्णायक मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली थी। वहीं दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में सराहनीय प्रदर्शन किया है। उसने अपने पांच में से चार मैच जीते हैं, जबकि टूर्नामेंट में उसकी एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ पहले ही हो चुकी है। कुल मिलाकर, और टीम की संरचना और निरंतरता के आधार पर, सेमीफाइनल में भारत का पलड़ा भारी दिख रहा है। विजेता टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। बड़े-बड़े शॉट खेलने में माहिर सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन) भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अपने अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा (पांच मैचों में 172 रन) एक और भारतीय बल्लेबाज हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक (109 नाबाद) लगाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाज़ी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से छह विकेट लिए हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है। सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज तीन पारियों में केवल 46 रन ही बना सका है।

सीडीओ ने सीएम डैशबोर्ड व शासन की प्राथमिकता वाली की योजनाओ की समीक्षा की

जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत सभी परिवारों को योजनाओं से लाभान्वित करायें-सीडीओ

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री सीएम डैशबोर्ड एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर गौशाला एवं चारागाह की भूमि से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण कराने तथा विभागीय योजनाओं में लक्ष्यानुसार प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी को जीरो पावर्टी अभियान फेज-2 के अंतर्गत चयनित परिवारों का 07 दिवस के भीतर शत प्रतिशत सत्यापन कराते हुए पात्र परिवारों के योजना आवेदन सुनिश्चित कराने को कहा गया।

इसी क्रम में अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों को भी जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत सभी परिवारों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य को कुंडा क्षेत्र में पट्टे की नीलामी 15 फरवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

सहायक श्रमायुक्त को अटल आवासीय योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 2035 के सापेक्ष शतप्रतिशत आवेदन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में सीडीओ ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी योजनाओं के प्राप्त लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति, पारदर्शी क्रियान्वयन एवं पात्र लाभार्थियों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जाये। बैठक में परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए दयाराम यादव, उपायुक्त श्रम रोजगार सन्तोष कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता ग्रा0अभि0 विभाग एवं अन्य सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय की मासिक बैठक सम्पन्न

चित्रकूट: महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मासिक बैठक मंगलवार को कुलगुरु प्रो आलोक चौबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें अकादमिक, परीक्षा, प्रशासनिक और वित्त गतिविधियों के समयबद्ध संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में कुलगुरु प्रो आलोक चौबे ने परीक्षा संचालन एवं परिणाम के अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अकादमिक कलेंडर का अक्षरशः पालन करते हुए समय पर परीक्षा कराकर परिणाम घोषित करें। निर्णय लिया गया कि आगामी 8 से 12 फरवरी के मध्य आयोजित ग्रामोदय महोत्सव के दौरान विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। आगामी सत्र 2026-27 में प्रवेश की तैयारी और प्रवेश के संबंध में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशों को लेकर विमर्श हुआ। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश के लिए 28 फरवरी तक चल रहे दूरवर्ती पाठ्यक्रमों में प्रवेश की स्थिति की समीक्षा के क्रम में कुलगुरु ने निर्देश दिए कि दूरवर्ती पाठ्यक्रमों के दोनों चरणों की परीक्षाओ के लिए परीक्षा तिथियां और परीक्षा केंद्र घोषित करने के लिए कार्यवाही की जाए।

राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर में पूल कैंपस प्लेसमेंट,253 छात्र-छात्राओं का चयन

जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्टीमो इंडिया ने किया चयन

चित्रकूट। राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर में मंगलवार को पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 253 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया। पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कुल 1180 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। जिसमें नीमराना (राजस्थान) स्थित जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्टीमो इंडिया द्वारा साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 253 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया। चयनित विद्यार्थी मैकेनिकल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोडक्शन, मेकाट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखाओं से संबंधित हैं। इस प्लेसमेंट ड्राइव में चित्रकूट, बांदा, प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, महोबा, हमीरपुर, बस्ती एवं मिर्जापुर जनपदों के राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों से आए विद्यार्थियों ने सहभागिता की। चयनित विद्यार्थियों को लगभग 2.64 लाख रुपए वार्षिक वेतन पैकेज प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त परिवहन सुविधा, भोजन व्यवस्था के साथ-साथ 10 लाख का टर्म बीमा, 6 लाख का दुर्घटना बीमा एवं 2 लाख का स्वास्थ्य बीमा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर के प्रधानाचार्य अशोक कुमार पुराणिक बताया कि एस्टीमो इंडिया ऑटोमोबाइल कलपुर्जा निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है, जो ईंधन इंजेक्टर, ईंधन आपूर्ति पंप, सीएनजी इंजेक्टर, एबीएस प्रणाली, ब्रेक एवं सस्पेंशन प्रणाली जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करती है। यह कंपनी मारुति, होंडा, टोयोटा सहित अनेक प्रमुख वाहन निर्माताओं को अपने उत्पाद उपलब्ध कराती है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, अनुशासन एवं तकनीकी दक्षता का परिणाम है, जिससे संस्थान का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

इस मौके पर प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी कृष्ण कुमार, प्रीति पाण्डेय, मानव संसाधन एवं औद्योगिक संबंध अनुभाग प्रमुख रमन कुमार वशिष्ठ, उत्पादन विभागाध्यक्ष सतबीर सिंह, राजीव शर्मा, शिक्षक जीतन प्रसाद, वीरेंद्र सिंह, सोनवीर सिंह, अनुराग तिवारी, शालिनी सिंह, जपेश, सपना यादव, शगुफ्ता परवीन, प्राची सिंह, हर्षिता तिवारी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी का अशफाक अहमद के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ चौपाल का आयोजन

प्रयागराज।बजाही में कांग्रेस पार्टी कि मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।चौपाल को संबोधित करते हुए कांग्रेस गंगापार के जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि (मनरेगा) महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम में जो गरीबों और मजदूरों के जीवको पार्जन का एक जरिया हुआ करता था।जिसके तहत 100 दिन का रोजगार मिलती था। मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर जीरामजी कर दिया अब आपके पास काम की कोई कानूनी गारंटी नहीं रहेगी।काम केवल भाजपा सरकार द्वारा चुने गए गांव में ही मिलेगा।उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकारों को आपकी मजदूरी का 40इ हिस्सा खुद ही देना होगा खर्च बढ़ाने के लिए हो सकता है वह काम भी उपलब्ध न कराये।आपके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की सरकार से मजदूरों के हितों के लिए कांग्रेस पार्टी चार मांग करती है।1.काम की गारंटी,मजदूरी की गारंटी,जवाबदेही की गारंटी 2.मनरेगा में किए गए बदलावों की तत्काल वापसी 3.काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली हो 4.मनरेगा मजदूरों को न्यूनतम वेतन ?400 लागू किया जाए।कार्यक्रम का संचालन चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डा.अमर सिंह पटेल ने किया। इस दौरान सर्वश्री वाररुम प्रभारी सददाम हुसैन सिद्दीकी,अनवर अली,राजेश कुमार विश्वकर्मा,दान बहादुर गौतम,मोहन लाल गौतम,नान्हू राम गौतम,सुभाष गौतम,बृजलाल गौतम,धर्मेंद्र यादव,कमलेश गुप्ता,त्रिभुवन गुप्ता,विरेन्द्र गुप्ता,गुंजनी, अंशिका,आरती,इन्द्रवती,संगीता पटेल,आदि लोग उपस्थित रहे।

कोंराव में बारिश, किसानों को मिला फायदा फसलों को जीवनदान, बुवाई के लिए बनी अनुकूल स्थिति

प्रयागराज । कोंराव क्षेत्र में हुई बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इस बरसात को फसलों के लिए बेहद फायदेमंद माना जा रहा है।

किसानों का कहना है कि यह बारिश उनकी फसलों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे खेतों में आवश्यक नमी बढ़ी है, जो बुवाई और मौजूदा फसलों के विकास के लिए अनुकूल स्थिति पैदा करती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर हुई यह बरसात विशेष रूप से उन फसलों के लिए लाभकारी है जिनकी बुवाई हाल ही में हुई थी या जो पानी की कमी का सामना कर रही थीं। इससे आगामी उपज में सुधार की उम्मीद है।

मतदाता सूची से पात्र नामों को हटाया जाना लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश - प्रमोद

सीएलपी नेता मोना ने भी गलत तरीके से सही नाम को काटे जाने पर जतायी चिन्ता

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने एसआईआर के नाम पर गरीब तबके, अल्पसंख्यकों, दलितों व पिछड़ों के सही नाम मतदाता सूची से हटाए जाने को लोकतंत्र की मजबूती के लिए बड़ा सवाल करार दिया है। सांसद प्रमोद तिवारी तथा सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि एसआईआर में खुली अनियमितता बरती जा रही है। संयुक्त बयान में नेताद्वय ने कहा है कि फार्म-07 के नाम पर लोगों के नाम जानबूझकर कटवाये जा रहे हैं। विधायक आराधना मिश्रा मोना व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि संविधान में हर किसी को मत का अधिकार है और यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। संयुक्त बयान में सांसद प्रमोद तिवारी व विधायक मोना ने कहा है कि यह भाजपा की सोची समझी चाल है जो लोकतंत्र की ताकत को कमजोर करेगा। उन्होने लोगों को सचेत करते हुए कहा है कि वह एसआईआर के अभियान को लेकर सतर्क रहें क्योंकि इस अभियान में जिस प्रकार से लोगों का नाम जानबूझ कर कटवाया जा रहा है, यह भविष्य में सरकारी सुविधाओं से उन्हें वंचित करने का प्रश्नचिन्ह भी लगा गया है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी व पार्टी विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र की संविधान को ताक पर रखकर हत्या कर रही है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भारतीय हितों के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा आपरेशन सिन्दूर में सीजफायर तथा अब टेड्रड डील की घोषणा स्वयं करने की भी कड़ी आलोचना की है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खामोशी के चलते अमेरिका देश के स्वाभिमान पर लगातार मनचाहा हमला कर रहा है। उन्होने तंज कसा कि लगता है भारत की राजधानी पीएम मोदी की कमजोरी के कारण वाशिंगटन स्थानान्तरित हो गयी है। उन्होने कहा कि भारतीय हितों से जुड़े हर निर्णय की घोषणा आखिर डोनाल्ड टंड्रप रोज कैसे किया करते है। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने नेता विपक्ष राहुल गांधी के द्वारा गलवान घाटी को लेकर मुददे को उठाने में सरकार की अडंगेबाजी पर भी हमला बोला है। उन्होने कहा कि भाजपा शासन के कार्यकाल में ही सेनाध्यक्ष रहे नरवणे के द्वारा एक पत्रिका में लेख पर चर्चा करने से भाजपा आखिर क्यूं तिलमिला गयी है। उन्होने कहा कि सरकार को गलवान घाटी की सच्चाई देश के सामने लाया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि देश के प्रति जबाबदेही की जगह भाजपा तत्कालीन सेनाध्यक्ष तक का अपमान करने पर उतर आयी है। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना का संयुक्त बयान यहां मंगलवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

प्रदेश सरकार की सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम नीति से युवाओं को मिल रहा है रोजगार

प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार/रोजगार से जोड़कर नये सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की स्थापना से रोजगार के अवसर सृजित हुए है और युवा आत्मनिर्भर हो रहे है। प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में अधिकाधिक युवाओं विशेषकर विश्वविद्यालयों/इंजीनियरिंग/डिग्री कॉलेजों के अन्तिम वर्ष पासआउट छात्रों को विभिन्न इनोवेटिव बिजनेस अवसरों से जोड़कर उनको स्वरोजगार से आच्छादित करने हेतु दिनांक 30 जुलाई 2025 से 01 अगस्त 2025 तक प्रदेश के लाभार्थियों/छात्रों/युवाओं हेतु सीएम युवा कॉनक्लेव एण्ड एक्सपो का आयोजन इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया। इस कॉनक्लेव में 150 से अधिक इनोवेटिव बिजनेस एवं फ्रेंचाइजी बॉण्ड्स/बिजनेस ऑन व्हील्स के प्रवर्तकों द्वारा अपने ब्रॉण्ड्स/उत्पादों का प्रदर्शन किया गया एवं युवाओं को उनके उत्पाद/ब्रॉण्ड से जुड़ने में फैसिलिटेट कराया गया है। इस कॉनक्लेव का विस्तार करते हुए द्वितीय चरण में सीएम युवा कॉनक्लेव एण्ड एक्सपो का आयोजन यूपीआईटीएस-2025 में ग्रेटर नोएडा में दिनांक 25 से 29 सितम्बर, 2025 के बीच प्रदेश के 04 मण्डलों मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़ एवं आगरा हेतु आयोजित कराते हुये प्रदेश के लाभार्थियों/छात्रों/युवाओं को लाभान्वित कराया गया। प्रदेश सरकार द्वारा अधिकाधिक उद्यमों की स्थापना हेतु प्रोत्साहनात्मक वातावरण का सृजन किया गया है। एम.एस.एम.ई अधिनियम 2020 के माध्यम से इकाईयों को 1000 दिनों तक किसी भी विभाग से निरीक्षण से छूट प्रदान की गयी है। निवेश मित्र के माध्यम से उद्यमियों को उद्यम स्थापना के क्रम में वॉछित अनापत्ति/लाइसेन्स/अनुमति आदि को प्राप्त करने की पूर्णतया ऑनलाइन व्यवस्था की गयी है, जिससें उद्यमी समयबद्ध रूप से स्वीकृतियाँ आदि प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं एवं प्रयासों से प्रदेश में अब तक कुल लगभग 4554020 उद्यम पंजीकृत हुये है। प्रदेश में 27.06.2025 को अन्तर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने लोकभवन के ऑडिटोरियम में सी0एम0 युवा मोबाइल एप एवं यूथ अड्डा का लोकार्पण तथा बरेली व मुरादाबाद में 18 करोड की ओ0डी0ओ0पी0 सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत टूलकिट/ऋण वितरण/एमएसएमई लोन का वितरण किया है। उत्तर प्रदेश इन्टरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) उत्तर प्रदेश इन्टरनेशनल ट्रेड शो का तृतीय संस्करण 25 से 29 सितम्बर 2025 को आईईएमएल ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया। शो में लगभग 70 देशों के बायर्स द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस शो के माध्यम से प्रदेश में निवेश तथा एक्सपोर्ट बढ़ाने की दिशा में सफल प्रयास किया गया है। उत्तर प्रदेश इन्टरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) की भांति दिनांक 09 से 18 अक्टूबर 2025 के दौरान प्रदेश के प्रत्येक जनपद में यूपी नेशनल ट्रेड शो -2025 स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया। दिनांक 14 से 27 नवम्बर, 2025 के मध्य भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का सफलता पूर्वक आयोजन नई दिल्ली में किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश को कांस्य अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के ई-पोर्टल की लॉन्चिंग एवं युवा उद्यमियों को उद्यम की स्थापना हेतु ऋण/स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। मार्च, 2024 को लोक भवन, लखनऊ में एमएसएमई क्षेत्र हेतु रू0 30,826 करोड़ के मेगा ऋण वितरण समारोह में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा ओडीओपी एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत लाभार्थियों को टूलकिट का वितरण किया गया।

रिटायर्ड कर्नल को सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के देऊम पूरब निवासी रिटायर्ड ले0 कर्नल राधेश्याम मिश्र निधन रबिवार की रात जयपुर राजस्थान में हुआ था, परिजनों की सूचना पर सब एरिया प्रयागराज से आये सैनिक दल नें

सैन्य सम्मान के साथ अंतिम बिदाई दी।इसके साथ ही सैनिक कल्याण बोर्ड के रिटायर्ड कर्नल, उप जिलाधिकारी लालगंज छेत्रधिकारी लालगंग थानाध्यक्ष सांगीपुर समेत तमाम छेत्रवासिओं नें अंतिम बिदाई में शामिल रहे।सब एरिया प्रयागराज से ईं के सूबेदार राकेश कुमार, नायक संजीव कुमार, सिपाही दिगंबर यादव,जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी रिटायर्ड कर्नल दिनेश कुमार मिश्र एउ्श लालगंज शैलेन्द्र वर्मा ण्ध लालगंज आशुतोष मिश्र थानाध्यक्ष सांगीपुर गौरव त्रिवेदी, ओमप्रकाश पाण्डेय गुड्डू धनंजय मिश्र ब्रिज बिहारी मिश्र पप्पू प्रधान,रामशकल मिश्र सूर्यकान्त मिश्र समेत तमाम लोग रहे सेना के जवानों नें सलामी के बाद तिरंगे को मृतक राधेश्याम के पुत्र डॉ राहुल मिश्र को देकर सैलूट किया, बताते चले कि स्वर्गीय राधेश्याम मिश्र के पुत्र ड़ॉ राहुल मिश्र राजस्थान में खादी ग्रामोद्योग के निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

शराब की दुकान से हजारों व नकदी व शराब उड़ा ले गये चोर

प्रतापगढ़। शराब की दुकान में घुसकर चोर हजारों की नकदी व शराब उठा ले गये। घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के मंगापुर में देशी शराब ठेका की दुकान है। शराब के संचालक विवेक विक्रम सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दो फरवरी की रात अज्ञात चोर शराब की दुकान में घुस आये और अंदर रखी पैंसठ हजार छः सौ रूपये की नकदी तथा हजारों की शराब उड़ा ले गये। चोर शराब की दुकान में रखे इर्न्वटर व कैमरे की एलसीडी भी उठा ले गये। सूचना पर पहुंची डायल एक सौ बारह पुलिस जांच के बाद लौट गयी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शीघ्र ही घटना का राजफाश किया जाएगा।

अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज

प्रतापगढ़। डम्पर की चपेट में आने से मासूम की हुई मौत की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के आहरबीहर पूरे वैशन गांव निवासी माया सरोज पत्नी राजू सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दो फरवरी की सुबह करीब पौने बारह बजे उसकी दो वर्षीया पुत्री मान्या सरोज घर के बाहर खेल रही थी। इसी बीच अठेहा से अमेठी की ओर तेज गति से जा रहे डम्पर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे मान्या की मौत हो गयी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि आरोपी अज्ञात डम्पर चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

धूमधाम से मनाया गया 'सबे बरात'प्रमुख हस्तियों ने की दुआएं और फतेहा

प्रतापगढ़ - आज रात बिहार के विभिन्न गांवों में सबे बरात (शब-ए-बारात) का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह रात मुसलमानों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इसे गुनाहों की माफी की रात माना जाता है। इस दिन मुसलमान अपने दिवंगत परिजनों के लिए दुआ करते हैं और अल्लाह से उनकी आत्मा की शुद्धि की प्रार्थना करते हैं। सबे बरात के अवसर पर पूरे इलाकों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें प्रमुख हस्तियों और समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। धार्मिक वातावरण में लोग रातभर इबादत करते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर इस दिन की अहमियत को महसूस कर रहे थे। सबे बरात के इस अवसर पर कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें हाजी आफताब अहमद, डॉ. जमील अहमद, हाफिज साकिर, हाफिज दानिश रज़ा, मो. जाकिर, मो. हासिम, मो. लईक, अनवर अली, नुरुल, साबिर हुसैन, मो. नसीम खान, इस्बाल अहमद, हाफिज आरिफ और सानू अहमद प्रमुख थे। इन सभी ने न केवल अपनी इबादत की, बल्कि गांवों के मरहूमों के लिए फातेहा अदा की और उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ की। इन हस्तियों ने अपनी उपस्थिति से इस धार्मिक अवसर की महिमा को और बढ़ाया और गांव के अन्य लोगों के साथ मिलकर अपनी दुआओं में अल्लाह से समाज की खुशहाली और शांति की प्रार्थना की। इस दिन की एक विशेष रिवायत है कि मुसलमान अपने मृतकों के कब्रों पर जाकर उन्हें फातेहा अदा करते हैं। कुण्डा, प्रतापगढ़ और आसपास के गांवों में लोग रात के समय कब्रिस्तान पहुंचे और वहां अपने परिवार के मृतक सदस्यों के लिए दुआ की। इस दौरान, वहां मौजूद लोग अल्लाह से उनके गुनाहों की माफी की प्रार्थना करते हैं और उनके लिए जन्नत की दुआ करते हैं। कब्रिस्तान में आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में एक आध्यात्मिक माहौल पैदा किया, और लोग एक-दूसरे के साथ अपने दिवंगत परिजनों के लिए शांति की दुआएं करते रहे। सबे बरात के दिन को मुसलमान विशेष रूप से नमाज-ए-तहजुद (रात्रि नमाज) और नफली नमाज (वैकल्पिक नमाज) पढ़कर अल्लाह से अपनी आत्मा की शुद्धि की प्रार्थना करते हैं। इस रात को विशेष रूप से ग़लतियों की माफी और आत्मिक सफाई की रात माना जाता है। लोग देर रात तक अल्लाह की इबादत में मशगूल रहे और उसके आशीर्वाद की दुआ करते रहे। सबे बरात का पर्व मुसलमानों के लिए आध्यात्मिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। यह एक ऐसी रात है जब अल्लाह अपनी विशेष रहमत और दया से अपने बंदों की दुआएं स्वीकार करता है। इसे माफी की रात माना जाता है, और मुसलमान इस दिन को अपने गुनाहों की माफी मांगने, मृतकों के लिए दुआ करने और अपनी आत्मा को शुद्ध करने के लिए विशेष रूप से मानते हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय लोगों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर यह पर्व मनाया और अपनी सामूहिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। सबे बरात ने पूरे क्षेत्र में धार्मिक उन्नति और मानसिक शांति का वातावरण उत्पन्न किया। सबे बरात का पर्व मुसलमानों के लिए एक ऐसी रात है जब वे अपनी आत्मिक शुद्धि की ओर कदम बढ़ाते हैं। यह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि एकता, प्रेम और भाईचारे का भी संदेश देता है।

आज मिशन शक्ति 5.0 के तहत सोनभद्र पुलिस द्वारा व्यापक महिला-बालिका जागरूकता अभियान

महिला सुरक्षा, साइबर सतर्कता एवं आत्मरक्षा को लेकर जनपदभर में सघन जनजागरूकता

आधुनिक समाचार
चिन्ता पान्डेय

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में व्यापक एवं सघन जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा, सतर्कता एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ङ अभिषेक वर्माङ के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी–मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला उत्पीड़न से बचाव, साइबर ठगी के नवीन तरीकों, ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्कता, सोशल मीडिया पर सुरक्षित व्यवहार, गुड टच-बैड टच की पहचान तथा आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों के संबंध में सरल, प्रभावी एवं संवादात्मक ढंग से जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर विशेष रूप से यह बताया गया कि साइबर अपराधी प्रायः डर, लालच एवं झूठे प्रलोभनों का सहारा लेते हैं। अतः किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक, मैसेज अथवा ओटीपी को साझा न करने तथा किसी भी शंका की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।

आपात सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर–

112 - आपातकालीन सेवा

1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181 - महिला हेल्पलाइन

1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह विश्वास दिलाया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा साइबर अपराध की सूचना प्राप्त होने पर सोनभद्र पुलिस द्वारा तत्काल, निष्पक्ष एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पतंजलि योग कक्षा का 8 फरवरी को 12वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोहः रवि प्रकाश

सोनभद्र। पतंजलि योग परिवार सोनभद्र द्वारा 8 फरवरी को योग कक्षा का 12वां वार्षिकोत्सव एवं सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र नई कार्यकारिणी का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। पतंजलि योग समिति सोनभद्र के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि आप सभी के स्नेह ,सहयोग, आशीर्वाद से प्रत्येक वर्षों के भांति इस वर्ष भी सोनभद्र बार सभागार नियमित योग कक्षा का 12 वां वार्षिकोत्सव व नवनियुक्त अध्यक्ष सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व समस्त कार्यकारिणी का सम्मान समारोह 8 फरवरी रविवार को प्रातः कालीन योग कक्षा के पश्चात 6:00 बजे से 7:00 बजे के बीच पतंजलि योग परिवार सोनभद्र के कुशल मार्गदर्शक , संरक्षक, संयोजक के मार्गदर्शन व पदाधिकारियों के नेतृत्व में मनाया जाएगा।जिसके मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश/ राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान भगवान सिंह, राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति दुर्गेश योगी, विशिष्ट अतिथि एल्डर कमेटी चेयरमैन कृपा नारायण मिश्र व विंध्याचल मंडल प्रभारी धीरज रहेंगे।

वैदेही बल्लभ महाराज के आश्रम व गौशाला का विधि-विधान से भूमि पूजन, समाजसेवा और आध्यात्मिक चेतना का संकल्प

झाँसी। के.के. ग्रुप के तत्वावधान में सोमवार को झांसी के बड़ागांव गेट बाहर, बाबा का अटा के पास एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर अयोध्या धाम के संत वैदेही बल्लभ महाराज के मार्गदर्शन में शिव परिवार मंदिर की स्थापना, गौशाला तथा आश्रम के लिए चिन्हित भूमि पर विधि-विधान के साथ भूमि पूजन एवं हवन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण और भक्तिमय वातावरण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान संत वैदेही बल्लभ महाराज ने कहा कि आश्रम और गौशाला केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि मानव सेवा, गौ-सेवा और संस्कार निर्माण के केंद्र होंगे, जहां समाज को धर्म, करुणा और सेवा का मार्ग दिखाया जाएगा।

इस अवसर पर केके ग्रुप कल्याणकारी संस्था के संस्थापक नत्थू कुशवाहा, केकेजी ग्रुप के फाउंडर एवं समाजसेवी दिलीप पाण्डे, एडवोकेट हाजी जैद रिजवान मंसूरी, अनिल वर्मा, पंकज परासर सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में के.के.जी. के फाउंडर दिलीप पाण्डे ने अपने वक्तव्य में कहा, हमारा उद्देश्य केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। वैदेही बल्लभ महाराज के सान्निध्य में यह आश्रम, गौशाला और मंदिर आने वाले समय में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए आश्रय व सेवा का केंद्र बनेगा। के.के. ग्रुप समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है और ऐसे प्रयास समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा संत वैदेही बल्लभ महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाजसेवा, गौ-संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का सशक्त संदेश भी देकर गया।

हरहुआ काजीसराय चौराहे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

एक की हालत नाजुक

वाराणसी/हरहुआ। संयोग अच्छा रहा कि बड़ा दुर्घटना होने से बच्चा, बड़ागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत वाराणसी -बाबतपुर मार्ग पर आठ बजे शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। काजीसराय (गढ़वा) चौराहे के पास एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल काजीसराय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान अखिलेश कुमार पटेल (25) और मुकेश कुमार पटेल (26) के रूप में हुई है। दोनों सिंधोरा थाना क्षेत्र के बरवा जलालपुर गांव के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक शाम करीब 8 बजे मजदूरी कर घर लौट रहे थे। घर जाने से पहले उन्होंने गढ़वा गांव के पास एक शराब ठेके पर शराब का सेवन किया था। शराब पीने के बाद दोनों युवक मोटरसाइकिल से वाराणसी-बाबतपुर हाईवे पर पहुंचे और नशे की हालत में सड़क पार करने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान बाबतपुर से वाराणसी की ओर जा रही एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर दूर जा गिरे और मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार मुकेश कुमार पटेल की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अखिलेश कुमार पटेल का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में ले लिया है तथा अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन की पहचान करने में जुटी हुई है।

''बाल विवाह मुक्त भारत'' अभियान की दिलाई गई शपथ

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के कुशल मार्ग दर्शन में जनपद- रायबरेली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों एवं ब्यूटी पार्लर में महिला कल्याण विभाग से हब फॉर इंपॉवरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत

जागरूकता कार्यक्रम किया गया, जिसमें जनमानस को बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होता है या 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह होता है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है यदि ऐसा आपके आसपास हो रहा है तो आप 1098 पर सूचित करें साथ ही बालिकाओं को सरकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना , मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, महिला हेल्पलाइन नंबर, वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें ''बाल विवाह मुक्त भारत'' अभियान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम मे हब फार इम्पावरमेंट आफ वूमेन टीम से जिला मिशन समन्वयक शेफाली सिंह, जेन्डर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, एवं आम जनमानस उपस्थित रहे।

न्यूड फोटो वायरल करने की धमकी देकर साइबर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का भंडाफोड़, 04 अभियुक्त गिरफ्तार

चिन्ता पान्डेय

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत तथा श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (मुख्यालय) के दिशा-निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

प्रकरण में आवेदिका कु0 सुषमा गुप्ता पुत्री संजीव गुप्ता, निवासी म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वयं को ऍंध अधिकारी बताते हुए गाली-गलौज, धन की मांग, पैसा न देने पर जान से मारने की धमकी तथा न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने व मोबाइल हैक कर धन की उगाही करने का गंभीर अपराध किया गया था। इस संबंध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0 153/2025, धारा 308(5) बीएनएस व 66-ि आईटी एक्ट पंजीकृत किया गया था।

महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उक्त प्रकरण की विवेचना साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को सुपुर्द करते हुए अभियुक्तों के गैंग के अनावरण हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त निर्देशों के क्रम में निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम को जनपद कानपुर नगर भेजा गया, जहाँ स्थानीय पुलिस के सहयोग से कानपुर कमिश्नरेट क्षेत्र से साइबर ठगी करने वाले संगठित गैंग का खुलासा करते हुए कुल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को लालच देकर उनके नाम पर सिम कार्ड प्राप्त कर उन्हें साइबर अपराध में प्रयुक्त करते थे। सिम विक्रेता द्वारा अपने पी0ओ0एस0 मशीन से वैध-अवैध रूप से सिम एक्टिवेट कर उन्हें साइबर ठगों को सप्लाई किया जाता था। अभियुक्तगण अश्लील वीडियो देखने के नाम पर लोगों को फंसाकर ए0आई0 तकनीक से फर्जी न्यूड फोटो तैयार कर धमकी देकर धन उगाही करते थे। इसके अतिरिक्त ब्लॉक हो चुके नंबरों को गुमशुदगी दर्शाकर पुनः एक्टिवेट कर अपराध में इस्तेमाल किया जाता था। अभियुक्तों द्वारा अब तक 100 से अधिक सिम कार्डों का प्रयोग कर देशभर में साइबर ठगी की गई है। जनपद सोनभद्र के भी कई पीड़ितों की जानकारी सामने आई है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. सुरेन्द्र कुमार पुत्र जयप्रकाश, निवासी मसवान, थाना रावतपुर, जनपद कानपुर, उम्र 23 वर्ष 2. गोलू राजपूत पुत्र सत्यपाल, निवासी आवास विकास कॉलोनी, थाना कल्याणपुर, जनपद कानपुर नगर, उम्र 24 वर्ष 3. मो0 जुनैद पुत्र निजामुद्दीन, निवासी 39/192 विकनगंज, जनपद कानपुर, उम्र 24 वर्ष 4. अनुराग सिंह पुत्र ज्ञानेन्द्र सिंह, निवासी 293 गोपालपुर, थाना पनकी, जनपद कानपुर नगर, उम्र 26 वर्ष

बरामदगी का विवरण - 1. 07 अदद मोबाइल फोन 2. विभिन्न व्यक्तियों के नाम से आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं विभिन्न बैंकों के खातों से संबंधित दस्तावेज गिरफ्तारी/ बरामदगी करने वाली पुलिस टीम - 1. निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 2. हे0का0 संजय वर्मा, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 3. का0 अखिलेश कुमार यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 4. का0 हृदेश यादव, साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र। 5. का0 अजीत कुमार, एस0ओ0जी0 (स्वाट टीम), जनपद सोनभद्र। 6. का0 रामजीत बिन्द, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र।

04 व 05 फरवरी को राज्य महिला आयोग सदस्य पूनम द्विवेदी जनपद में,04 फरवरी को महिला जनसुनवाई जिला पंचायत सभागार में

रायबरेली : मा0 उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्य पूनम द्विवेदी 04 फरवरी 2026 को जिला पंचायत सभागार में पूर्वाहन 11:00 बजे महिला जनसुनवाई करेंगीं। अपराह्न 03:00 बजे जिला महिला बंदीगृह, अपराह्न 05:00 बजे बालिका गृह का निरीक्षण करेंगी। 05 फरवरी 2026 को प्रातः 09:00 बजे आंगनबाड़ी केंद्र, पूर्वाहन 11:00 बजे वन स्टॉप सेंटर, अपराह्न 01:00 बजे सीएचसी/पीएचसी एवं अपराह्न 03:00 बजे कस्तूरबा गांधी विद्यालय का निरीक्षण करेंगी।

व्यवस्था के भीतर उभरते संकेतः सत्ता की कसौटी लोकतंत्र भरोसे, अनुशासन और संतुलन से चलता है : सुरेश पांडेय

रायबरेली। उत्तर प्रदेश की राजनीति में हाल के दिनों में सामने आए घटनाक्रम केवल तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली में उभरते उन संकेतों की ओर इशारा करते हैं, जिनसे किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत परखी जाती है। यह उदगार वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुरेश पांडेय ने इन्हीं संकेतों को केंद्र में रखकर सधी, गंभीर और विचारोत्तेजक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जब अलग-अलग क्षेत्रों में एक जैसी परिस्थितियां जन्म लेने लगें तो कहीं जनप्रतिनिधियों की असहजता, कहीं प्रशासनिक निर्णयों पर प्रश्न, कहीं सार्वजनिक मंचों पर संयम का अभाव तो इसे संयोग मानना आत्मसंतोष होगा। उन्होंने कहा कि यह स्थिति व्यवस्था के भीतर संतुलन और जवाबदेही के कमजोर पड़ने की ओर संकेत करती है। पूर्व मंत्री के अनुसार, लोकतांत्रिक शासन में जनप्रतिनिधियों का आत्मविश्वास और प्रशासन की

संवेदनशीलता सत्ता की वास्तविक पहचान होती है। लेकिन जब जनप्रतिनिधि विवश और अधिकारी निश्चिंत प्रतीत हों, तो यह किसी एक निर्णय की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र में नियंत्रण और उत्तरदायित्व की शिथिलता को दर्शाता है। उन्होंने हालिया राजनीतिक-प्रशासनिक प्रसंगों की ओर संकेत करते हुए कहा कि मानकों को लेकर उठते सवाल, निहित स्वार्थों से उपजी हलचल और अस्थिर निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के दावों की सतत समीक्षा जरूरी है। ऐसी स्थितियां जनविश्वास को धीरे-धीरे क्षीण करती हैं। सार्वजनिक मंचों पर सत्ता से जुड़े व्यक्तियों के बीच दिखे टकरावों पर टिप्पणी करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि जब असहमति मर्यादा से बाहर जाकर टकराव में बदलती है, तो उसका सीधा प्रभाव शासन की गंभीरता और विकास के विमर्श पर पड़ता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता संचालन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और अनुशासन का संतुलित ढांचा है। जब यह संतुलन डगमगाने लगता है, तो उसका प्रभाव वर्तमान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि भविष्य की राजनीति और प्रशासनिक संस्कृति को भी प्रभावित करता है।

8 फरवरी को सेक्टर 82 में होगा विशाल हिंदू सम्मेलन

नोएडा सेक्टर 82 के श्रद्धानंद नगर पार्क भवानी बस्ती में विशाल हिंदू सम्मेलन 8 फरवरी (रविवार) को आयोजित किया गया है। 8 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे से 2:00 बजे तक, पॉकेट-12 के सामने स्थित शाखा पार्क में आयोजित किया जा रहा है। विशाल हिंदू सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज रहेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक के कयी पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम हम सभी हिंदुओं का है, अतः इसे भव्य, दिव्य और सकारात्मक स्वरूप देने में सभी का सहयोग अपेक्षित है। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री पंचमानंद जी महाराज का उद्बोधन रहेगा, साथ ही संघ के वरिष्ठ प्रचारक जी का भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम के उपरांत सभी बंधुओं के लिए भोजन प्रसाद व्यवस्था का आयोजन कार्यस्थल पर ही रहेगा।

महात्मा बुद्ध कब पैक पीएम श्री पल्हारी में कैंप सम्पन्न

भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश द्वारा संरक्षित महात्मा बुद्ध कब पैक पल्हारी नगवां सोनभद्र में हुआ आयोजन,डॉ बीके सिंह महादेव ब्लाक स्काउट मास्टर नगवां (एच डब्ल्यू बी) सोनभद्र द्वारा मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धक गतिविधि करायी गयी

सोनभद्र। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां सोनभद्र में धूमधाम से कब बुलबुल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें नियम, प्रतिज्ञा, झंडा गीत के साथ विविध गतिविधियां कराई गई।

डॉ बृजेश महादेव ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र मुकुल आनंद पांडेय के संरक्षण व खंड शिक्षा अधिकारी नगवां, सोनभद्र धनंजय कुमार सिंह के सह संरक्षण में क्रियात्मक कैंप आयोजित किया गया। कब और बुलबुल भारत स्काउट एंड गाइड के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 5) के बच्चों के लिए संचालित एक बाल गतिविधि संगठन है। इसमें 5 से 10 वर्ष के लड़कों को 'कब' और लड़कियों को 'बुलबुल' कहा जाता

है, जिसका उद्देश्य बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास करना है। इसमें बच्चों को विभिन्न चरण (कोमल पंख, रजत पंख, सुवर्ण पंख) पार करने होते हैं, जिसके बाद वे प्रवीणता बैज (जैसे गोल्डन ऐरो अवार्ड) जीत सकते हैं। कैंप में बच्चों को प्रार्थना, सैल्यूट करना, झंडा गीत, रस्सी की गाठें लगाना और प्राथमिक चिकित्सा जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां सोनभद्र के प्राथमिक संवर्ग में भारत स्काउट और गाइड संस्था द्वारा महात्मा बुद्ध कब पैक पंजीकृत है।

बता दें कि स्काउट मास्टर डॉ बृजेश महादेव का स्मार्ट क्लास, कैंप क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, कंपोजिट क्लास, आईसीटी लैब, वार्षिकोत्सव, पत्रिका प्रकाशन आदि नवाचार प्रदेश भर में संचालित है। इनके द्वारा पूर्व छात्र सम्मेलन भी कराया जाता है जो अनुकरणीय है।

इस अवसर पर जय प्रसाद चौरसिया प्रधानाध्यापक, ज्ञानेश , प्रदीप, पवन, रमेश, दीपक, शिवशंकर, उर्मिला, ममता एवं विंदू बीडीसी उपस्थित रहे। कैंप में अशोक सिंह, आदर्श सिंह, बीकेश, श्याम नारायन, विकाश, संदीप कुमार, रमाकान्त, टीपू, प्रदीप कुमार, श्याम सुन्दर, सत्यम, रणजीत सिंह कमरो , सूरज, संतोष, रंजीत, अंजना, अंजनी, खुशबू , फूलन, सुनिता, राधा, चन्दा, सुगवन्ती आदि ने प्रतिभाग किया।

23 मई (चतुर्थ शनिवार) को न्यायिक कार्य हेतु समस्त न्यायालय रहेंगे खुले

आधुनिक समाचार

रायबरेली : जिला न्यायाधीश अमित पाल सिंह ने बताया है कि मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशों के अनुपालन में मकर संकान्ति के उपलक्ष्य में 15 जनवरी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जिला न्यायालयों में अवकाश घोषित किया गया था और इसके स्थान पर किसी चतुर्थ शनिवार को कार्य दिवस के रूप में खोले जाने हेतु निर्देशित किया गया था। उपरोक्त निर्देश के अनुपालन में यह आदेशित किया गया था कि जनपद न्यायालय रायबरेली में सभी न्यायालय 28 फरवरी 2026 (चतुर्थ शनिवार) को न्यायिक कार्य हेतु खुले रहेंगे।उन्होंने बताया है कि सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के प्रस्ताव 29 जनवरी के द्वारा इस जजशिप में 28 फरवरी (चतुर्थ शनिवार) स्थानीय अवकाश घोषित किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित कियाा गया है।उपरोक्त के दृष्टिगत इस जजशिप के सभी न्यायालय 28 फरवरी 2026 (चतुर्थ शनिवार) को बन्द रहेंगे तथा पूर्व में घोषित 28 फरवरी 2026 (चतुर्थ शनिवार) के स्थान पर 23 मई 2026 (चतुर्थ शनिवार) को न्यायिक कार्य हेतु इस जजशिप के समस्त न्यायालय खुले रहेंगे।

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा जिला कार्यकारणी बैठक मैहर में संपन्न हुई

आधुनिक समाचार

जिला मैहर आज दिनांक 03/02/2026 दिन मंगलवार को अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा जिला कार्यकारणी बैठक मैहर जिले में संपन्न हुई। आ.भा. वर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाज के मुखिया आदरणीय दादा जगदीश यादव जी आज मैहर आगमन पर जोरदार स्वागत हुआ कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहें रामपाल यादव प्रदेश उपाध्यक्ष ,यादव समाज से समूचे रीवा संभाग भर से आए प्रतिनिधियों ने सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती, शिक्षा, और जाति आधारित जनगणना जैसे मुद्दों पर चर्चा की, साथ ही अहीर रेजिमेंट की मांग को दोहराया इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना था। इस बीच विशिष्ट अतिथि समर यादव युवा प्रदेश महासचिव, बालकृष्ण यादव प्रदेश सचिव,सुखलाल यादव, ओम प्रकाश यादव प्रदेश सचिव,रामबकाश यादव जिला अध्यक्ष मैहर,अखिलेश यादव युवा जिला अध्यक्ष, निलेश यादव शहर अध्यक्ष मैहर,दिनेश यादव जिला मीडिया प्रभारी,भोला यादव,राम नरेश यादव, भगवानदीन यादव,रामकुमार यादव, रामनारायण यादव,विजय कुमार यादव,रामरहीम यादव,विनोद यादव,नितेश यादव,राहुल यादव,रामकिशोर यादव,अभय लाल यादव,ऋषि यादव,जमुना यादव,ज्ञानेंद्र यादव,आयुष यादव,शिव यादव,शिवशरण यादव,धनु यादव,डॉक्टर पी डी यादव,मुकेश यादव आदि लोगों उपस्थित रहें।

जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक संपन्न

रायबरेलीःजिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली की अध्यक्षता में 'जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान प्रतिनिधि अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद, प्रतिनिधि कमान्डिग ऑफिसर एन0सी0सी0, प्रतिनिधि लीड बैंक अधिकारी, प्रतिनिधि पुलिस अधीक्षक व सैनिक बन्धु समिति के सदस्य एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली कैप्टन (नौ सेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) द्वारा स्वागत किया गया तथा पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उनके शीघ्र निस्तारण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया।

गुना की सीमा सेन जागीरदार भी हुई सम्मानित

आधुनिक समाचार

सागर। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जन्मशताब्दी के पावन अवसर पर सागर के पीटीसी ग्राउंड में आयोजित सेन समाज सम्मान समारोह एवं प्रतिभा सम्मान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में गुना की सेन समाज विकास संगठन महिला प्रदेश अध्यक्ष सीमा सेन जागीरदार को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में लोगों ने सीमा सेन को

भविष्य की शुभकामनाएं दिए। एवं सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन भी सम्मानित हुए, एवं छतरपुर की युवा महिला प्रदेशाध्यक्ष अंजली सेन पत्रकार भी सम्मानित हुईं। इस मौके पर संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार सेन, एवं बाबू लाल सहित आदि संगठन के लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध कोयला खनन मामले में पुलिस अधिकारी समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय एक बार फिर एक्शन मोड में है। मंगलवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन और परिवहन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन निदेशालय की टीमें राज्य के लगभग 10 विभिन्न परिसरों की तलाशी ले रही हैं।

असम सीएम हिमंता के 'मियां' बयान पर बवाल

नई दिल्ली। असम में मिया मुसलमानों को निशाना बनाकर कथित रूप से नफरत फैलाने वाले भाषण के मामले में जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में मुख्यमंत्री के बयान को नफरत फैलाने वाला और दो समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने वाला बताया गया है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री द्वारा 27 जनवरी को दिए गए उस बयान का जिक्र है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर 4 से 5 लाख 'मिया' मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की बात कही थी। याचिका में मिया शब्द के आपत्तिजनक प्रयोग का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि असम में इस शब्द का प्रयोग मुसलमानों के विरुद्ध अपमानजनक तरीके से किया जाता है।

मणिपुर में नई सरकार की कवायद, सीएम फेस पर सस्पेंस!

इंफाल। भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में मुख्यमंत्री के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भगवा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को विधायक दल के नेता की नियुक्ति की प्रक्रिया की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस कदम से संकेत मिलता है कि पार्टी राष्ट्रपति शासन की समाप्ति से पहले एक निर्वाचित सरकार को बहाल करने की तैयारी कर रही है। सत्ताधारी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेता और विधायक, भाजपा की मणिपुर इकाई के प्रमुख के साथ, आज होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यह बैठक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के छह महीने के विस्तार की समाप्ति से कुछ ही दिन पहले हो रही है, जो 12 फरवरी को समाप्त हो रहा है।

देहरादून के कालसी में खाई में गिरी बस, 3 की मौत

देहरादूर। उत्तराखंड के देहरादून जिले के कालसी इलाके में यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना मीनाक रोड पर कुआनू के पास हुई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय हिमाचल रोडवेज की बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही डाकपत्थर, चकराता, मोरी और तिउनी में तैनात एसडीआरएफ टीमों को बचाव और राहत कार्यों के लिए दुर्घटनास्थल पर भेजा गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सभी नजदीकी चिकित्सा केंद्र हाई अलर्ट पर हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट से बात की है और आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। हमें कालसी क्षेत्र (देहरादून) में हिमाचल परिवहन निगम की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की बेहद दुखद खबर मिली है।

7 साल से जेल में बंद कुलदीप सेंगर की किस्मत का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की अपील को प्रतिदिन के आधार पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। वे सात साल से अधिक समय से हिरासत में हैं। उन्होंने उन्नाव हिरासत में मृत्यु मामले में अपनी 10 साल की सजा और दोषसिद्धि को चुनौती दी है। उनकी सजा निलंबित करने की याचिका को उच्च न्यायालय पहले ही खारिज कर चुका है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने मामले की सुनवाई 11 फरवरी को सूचीबद्ध की। यह प्रतिदिन के आधार पर सुनवाई होगी। पीठ ने 11 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे सुनवाई का समय निर्धारित किया है। यह मामला उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मृत्यु से संबंधित है। कुलदीप सिंह सेंगर की ओर से अधिवक्ता कन्हैया सिंघल उपस्थित हुए। सीबीआई की ओर से अधिवक्ता अनुभा भारद्वाज उपस्थित हुईं।

19 जनवरी को उच्च न्यायालय ने कुलदीप सिंह सेंगर की सजा (जमानत) निलंबित करने से इनकार कर दिया। वह भाजपा के पूर्व विधायक हैं और 13 अप्रैल 2018 से हिरासत में हैं। न्यायमूर्ति रविंदर दुडेजा ने कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति दुडेजा ने कहा अदालत इस बात से अवगत है कि अपीलकर्ता सात साल से अधिक की सजा काट चुका है। फिर भी, सजा निलंबित करने का कोई आधार नहीं है। इससे पहले, सेंगर को 23 दिसंबर 2025 को एक

नाबालिग से बलात्कार के मामले में जमानत दी गई थी। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने 29 दिसंबर 2025 को इस आदेश पर रोक लगा दी थी। यह तर्क दिया गया कि अपीलकर्ता सेंगर इस मामले में पिछले 9 वर्षों से हिरासत में हैं। केवल 11 महीने बचे हैं। इससे पहले, सेंगर के वकील ने तर्क दिया था कि अपीलकर्ता 3 अप्रैल 2018 को घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। यह भी प्रस्तुत किया गया कि निचली अदालत ने अपीलकर्ता के सचिव संतोष मिश्रा के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 61 का सहारा लिया। संतोष मिश्रा ने घटना वाले दिन, जब अपीलकर्ता उपस्थित नहीं था, उससे फोन पर बात की थी। हालांकि, अदालत ने उससे पूछताछ नहीं की। यह भी तर्क दिया गया कि दो गवाहों के बयानों में विरोधाभास है। उनकी विश्वसनीयता और भरोसे की कमी है। सेंगर को अन्य आरोपियों के साथ 2018 में तीस हजारी अदालत ने दोषी ठहराया था। वह नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। ये मामले 2018 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के मखी पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित हैं और इन पर दिल्ली के तीस हजारी न्यायालय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पश्चिम) ने फैसला सुनाया था। सेंगर के वकील ने तर्क दिया था कि अपीलकर्ता 13 अप्रैल 2018 से जेल में सड़ रहा था, सिवाय एक संक्षिप्त अवधि के जब उसे उसकी बेटी की शादी के कारण इस न्यायालय द्वारा सजा के अंतरिम निलंबन का लाभ दिया गया था, और अपीलकर्ता ने स्वीकार किया था कि उसने उसे दी गई स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया था।

असम में भाजपा का मिशन 100',पीएम मोदी की मेगा रैली से होगा चुनावी शंखनाद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम में 100 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जो राज्य में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए पार्टी के दृढ़ संकल्प का संकेत है। इस रणनीति के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को गुवाहाटी का दौरा करेंगे, जहां वे असम भर के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में लगभग एक लाख बूथ स्तर के कार्यकर्ता भाग लेंगे, जो पार्टी की मजबूत जमीनी उपस्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 फरवरी को असम का दौरा करने वाले हैं। अपने दौरे के दौरान, गृह मंत्री महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें करेंगे, चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेंगे और भाजपा की चुनाव प्रचार रणनीति को मजबूत करने के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से

बातचीत करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की यात्राओं से पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी जोश आएगा और उन्हें स्पष्ट रणनीतिक दिशा मिलेगी। भाजपा का लक्ष्य असम भर में विकास, सुशासन और मजबूत संगठनात्मक पहुंच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है। असम में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा कांग्रेस के खिलाफ अपनी सत्ता बचाने की कोशिश कर रही है। सोमवार को असम में, जहां चुनाव होने वाले हैं, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कामरूप (मेट्रो) जिले के सोनापुर में आयोजित एक केंद्रीय कार्यक्रम में एनईएसआईडीएस, पीएम-दिव्य और आरआईडीएफ-एक्सएक्सएक्स के तहत निर्मित 67 अत्याधुनिक विद्यालय भवनों का उद्घाटन किया और आरआईडीएफ-एक्सएक्सआई के तहत असम के विभिन्न जिलों में बनने वाले 61 अन्य विद्यालयों की आधारशिला रखी। अनुसार, इन परियोजनाओं में कुल निवेश 760 करोड़ रुपये है, क्योंकि इस पहल का उद्देश्य विश्व स्तरीय शिक्षण वातावरण तैयार करना है जो प्रत्येक बच्चे को बड़े सपने देखने और अधिक हासिल करने के लिए सशक्त बनाएगा।

उड़ान से ठीक पहले पंकजा मुंडे के हेलीकाप्टर में आई खराबी

मुम्बई। अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र के अन्य राजनेता भी हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। ताजा घटना भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे से जुड़ी है, जिनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण उन्हें अपनी हेलीकॉप्टर यात्रा स्थगित करनी पड़ी। पंकजा मुंडे जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए संभाजीनगर से लातूर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने वाली थीं। हालांकि, पायलट ने तकनीकी खराबी की सूचना दी, जिसके कारण उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी। गौरतलब है कि अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद, सभी राजनेता हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। छत्रपति संभाजीनगर से उड़ान भरने से ठीक पहले खराबी का पता चला। पंकजा मुंडे को

जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए लातूर जाना था। पंकजा मुंडे दूसरे हेलीकॉप्टर से सभा में शामिल होंगी। अजित पवार का हाल ही में बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह ध्यान देने योग्य है कि एनसीपी नेता अजित पवार का बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। तब से, सभी राजनेता हवाई यात्रा करने से पहले सावधानी बरत रहे हैं। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे और बारामती में एक रैली को संबोधित करने के लिए सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। अजित पवार के निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है।

बिहार का मेगा बजटः वित्त मंत्री ने पेश किया 34 लाख करोड़ का लेखा-जोखा

पटना। बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र यादव ने राज्य विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश किया। बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का 34 लाख करोड़ रुपये का बजट पिछले वर्ष के 31 लाख करोड़ रुपये के बजट से काफी अधिक है। इसमें से 7724 करोड़ रुपये सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यादव ने यह भी कहा कि 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए कर राजस्व लगभग 65,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

बिजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार के न्याय के साथ विकास के आदर्श वाक्य के अनुरूप, सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 7724 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बजट ईमान, ज्ञान, विज्ञान, अरमान और सम्मान पर केंद्रित होकर तैयार किया गया है। यादव ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई बहुचर्चित मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का भी जिक्र किया, जिसके बारे में

कहा जाता है कि इसने सत्ताधारी एनडीए को निर्णायक जीत दिलाई।

मंत्री ने कहा कि 1.56 करोड़ महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। जल्द ही, उन महिलाओं को 2 लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे जिन्होंने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया होगा। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य का बजट पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है और कहा कि इस वर्ष का बजट राज्य को और आगे ले जाएगा।

बिहार की प्रगति का उल्लेख करते हुए संजय सरावगी ने कहा कि राज्य देश में सबसे तीव्र आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में पेश किए गए बजटों में लगातार बजटीय प्रावधानों में वृद्धि देखी गई है। 2005 में यह 23,000 करोड़ रुपये था; पिछले बजट में यह बढ़कर 3,17,000 करोड़ रुपये हो गया और आज वित्त मंत्री बिहार का बजट पेश करेंगे। निसंदेह, यह बजट बिहार को और भी आगे ले जाएगा।

चार्जशीट में पार्थ पवार का नाम नहीं,ईओडब्ल्यू की जांच में कौन-कौन फंसा

पुणे। पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार को पुणे के मुंडवा में 40 एकड़ जमीन के सौदे के संबंध में 1,886 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) धारक शीतल तेजवानी (44) ने यह जानते हुए भी कि जमीन राज्य सरकार की है, अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी के साथ बिक्री विलेख निष्पादित किया। इस बीच, महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के पुत्र पार्थ पवार, अमाडिया एंटरप्राइजेज में साझेदार हैं, हालांकि एफआईआर में उनका नाम नहीं है। अमाडिया के एक अन्य साझेदार दिग्विजय अमरसिंह पाटिल और निलंबित तहसीलदार सूर्यकांत येवाले पर भी आरोप लगाए गए हैं।

दो गांजा तस्करों को 10-10, वर्ष की कठोर कैद,प्रत्येक पर दो-दो लाख रुपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व पिपरी थाना क्षेत्र स्थित मूर्धवा मोड़ के पास से दो तस्करों के साथ ट्रक के केबिन से बरामद 320 किलोग्राम गांजा के मामले में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दो तस्करों अर्जुन राम व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की को 10-10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। उनके ऊपर दो-दो लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक 17 अगस्त 2023 को दोपहर 12 बजे रवि प्रकाश कं. आसूचना अधिकारी स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, क्षेत्रीय इकाई लखनऊ को विमल कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ लखनऊ से सूचना मिली कि दो तस्कर अर्जुन राम पुत्र स्वर्गीय भिखारी राम निवासी बनिया छापर, थाना कुचेयाकोट, जिला गोपालगंज बिहार व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की पुत्र स्वर्गीय रामजनम पटेल निवासी दोस्तियां, थाना चैनपुर, जिला मोतिहारी बिहार जो ट्रक के कैबिन में बने गुप्त स्थान में भारी मात्रा में गांजा छुपाकर ले जा रहे हैं। जो 18 अगस्त 2023 को मूर्धवा मोड़ से होकर गुजरने की सम्भावना है। इस सूचना पर पुलिस की कई टीम गठित कर ट्रक के आने का टीम इंतजार करने लगी। इसीबीच दोपहर बाद 3:20 बजे बभनी की ओर से ट्रक आती दिखाई दी। नजदीक आने पर जब ट्रक को रोककर अपना परिचय देते हुए टीम ने पूछताछ की तो दोनों तस्करों ने अपना नाम पता सूचना के अनुरूप ही बताया। जब गांजा के बारे में कड़ाई से पूछताछ की गई तो तस्करों ने ट्रक की केबिन में बने गुप्त स्थान से 160 पैकेज निकाला।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी तस्करों अर्जुन राम व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की को 10-10 वर्ष की कठोर कैद व 2-2 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

'किसानों से धोखा, आत्मनिर्भरता पर हमला',भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर अखिलेश यादव ने केंद्र को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाज़ार खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी।

यादव ने लिखा कि भाजपा ने फिर 'किसानों' पर हमला किया। भाजपा सरकार, जवाब दोः दबाव क्या है? अमेरिकी कृषि उत्पादों और अनाजों के लिए भारत के बाज़ार खोलना हमारे देश की 70इ आबादी

के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती और कृषि पर निर्भर है। भाजपा सदस्य और उनके सहयोगी स्वतंत्रता से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, और आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों को जनता के बीच जाकर यह बताना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था के साथ विश्वासघात करने के बदले उन्होंने कितना कमीशन लिया है।

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां न केवल किसानों को नुकसान पहुंचाएंगी बल्कि खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों, मुनाफाखोरी को बढ़ावा देने और अंततः किसानों को अपनी जमीन बड़ी कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर करके निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को भी प्रभावित करेंगी। पोस्ट में लिखा था कि इससे न केवल किसान बल्कि निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, क्योंकि इससे अनाज और कृषि उत्पादों से मुनाफाखोरी होगी और बिचौलियों की एक नई नस्ल का उदय होगा।

नितिन नबीन ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौता को सराहा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख का प्रमाण है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत के बाद कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर लगने वाला जवाबी शुल्क मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा।

'पीएम मोदी की नीतियों से झुकीं महाशक्तियां' यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में बोले सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने और भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में मान्यता देने के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने और भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में मान्यता देने के लिए हम प्रधानमंत्री मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प के आभारी हैं।

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश ने पिछड़े राज्य की अपनी छवि को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य राजस्व अधिशेष वाली अर्थव्यवस्था में बदल गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने अपना पहला निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें 20,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ। हमें कई सुधार लागू करने पड़े और महत्वपूर्ण बदलाव लाने पड़े, और आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमारे पास भूमि बैंक सुविधा भी है। उत्तर प्रदेश अब पिछड़ा राज्य नहीं है; यह अब राजस्व अधिशेष वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के संभावित योगदान का पता लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की। उन्होंने जोर दिया कि इस निवेश का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके पूरे उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा और निदान को बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि मैं माननीय प्रधानमंत्री का आभारी हूं। दिल्ली में एक एआई सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है, और हमने उत्तर प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में एआई के संभावित योगदान का पता लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की थी। उन्होंने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाली चिकित्सा और दवा कंपनियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज मैं उन सभी चिकित्सा कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिनके साथ हमने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उत्तर प्रदेश पर भरोसा जताने के लिए मैं उन सभी का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। आज जब भारत अपनी नीतियों पर दृढ़ है, तब तो महाशक्तियों को भी इसके सामने झुकना पड़ा है और भारत अब एक आत्मनिर्भर राष्ट्र है।

संसद में घमासानः नियम 349 और पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब पर क्यों छिड़ा विवाद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा में उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देने की कोशिश की। सत्ता पक्ष के कड़ा विरोध करने और नियम 349 का हवाला दिए जाने के बाद राहुल गांधी को बोलने से रोक दिया गया। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने जैसे ही पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' का जिक्र किया, सदन में शोर-शराबा शुरू हो गया। राहुल गांधी डोकलाम और गलवान में भारत-चीन सीमा गतिरोध पर सरकार को घेरना चाहते थे, लेकिन उन्हें बीच में ही रोक दिया गया।

संसद की कार्यवाही और सदस्यों के आचरण को सुचारू रूप से चलाने के लिए नियम 349 बनाया गया है। इसके खंड के अनुसारः 'कोई भी सदस्य सदन में ऐसी कोई किताब, समाचार पत्र या पत्र नहीं पढ़ेगा, जिसका संबंध सदन की वर्तमान कार्यसूची से न हो।' विवाद का कारणः हालांकि नियम 349 में 'प्रकाशित' या 'अप्रकाशित' शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन अध्यक्ष ओम बिरला ने व्यवस्था दी कि किसी भी ऐसी सामग्री को तब तक कोट नहीं किया जा सकता जब तक उसे सदन के पटल पर प्रमाणित करके न रखा जाए।तेज़ राजनीतिक बहस के बीच, विवाद इस बात पर केंद्रित था कि क्या गांधी को डोकलाम और गलवान में भारत-चीन सीमा झड़पों का ज़िक्र करने वाली एक अप्रकाशित किताब से सामग्री का हवाला देने की अनुमति थी या नहीं। यह मुद्दा राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान उठा, जब गांधी ने एक मैगज़ीन लेख का हवाला देते हुए अपना भाषण शुरू किया, जिसमें जनरल नरवणे की बताई गई एक अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी' के अंश थे। गांधी ने अपना भाषण शुरू करते हुए कहा, 'यह पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब से है। मैं चाहूंगा कि आप ध्यान से सुनें और आपको समझ आएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। यह तब की बात है जब चार चीनी टैंक भारतीय क्षेत्र में घुस रहे थे। वे डोकलाम में एक पहाड़ी खोद रहे थे, और सेना प्रमुख लिखते हैं, और मैं एक लेख से उद्धृत कर रहा हूं जो उनकी किताब से उद्धृत कर रहा है।'गांधी 'डोकलाम में चीनी टैंक' जैसे कुछ ही शब्द पढ़ पाए थे कि सत्ता पक्ष ने उन्हें रोक दिया, जिससे उनका भाषण रुक गया और संसद में हंगामा हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे लेकिन चुपचाप देख रहे थे, तीन केंद्रीय मंत्रियों, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष का नेतृत्व किया, यह तर्क देते हुए कि एक अप्रकाशित किताब का हवाला देना संसदीय नियमों का उल्लंघन है।बाद में, रिजिजू ने नियम 349 का भी हवाला दिया, यह आरोप लगाते हुए कि गांधी अध्यक्ष के फैसले और सदन के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। स्पीकर ओम बिरला ने हस्तक्षेप किया, उसी नियम का हवाला दिया और गांधी को निर्देश दिया कि जब तक ऐसी सामग्री प्रमाणित न हो या औपचारिक रूप से सदन के सामने न रखी जाए, तब तक उसे न पढ़ें। नियम 349 आचरण और प्रक्रिया के उन मानकों को निर्धारित करता है जिनका सांसदों से बहस के दौरान पालन करने की उम्मीद की जाती है। नियम का खंड कहता है कि 'कोई भी सदस्य सदन के कामकाज से संबंधित होने के अलावा कोई किताब, अखबार या पत्र नहीं पढ़ेगा।'हालांकि, नियम 349 में प्रकाशित या अप्रकाशित सामग्री का कोई ज़िक्र नहीं है।इस मामले में यह नियम क्यों लागू किया गया? ट्रेजरी बेंच ने इस आधार पर आपत्ति जताई कि गांधी ने न सिर्फ़ एक मैगज़ीन आर्टिकल का ज़िक्र किया था, बल्कि एक पूर्व आर्मी चीफ़ के अप्रकाशित संस्मरण का भी ज़िक्र किया था, जिसके बारे में उनका तर्क था कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय मर्यादा पर असर पड़ सकता है। स्पीकर ओम बिरला ने फैसला सुनाया कि सदन के मौजूदा कामकाज से जुड़े न होने वाले मैगज़ीन या अखबार के आर्टिकल को कोट नहीं किया जा सकता, और दोहराया कि बहसें सख्ती से तय नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए। इस फैसले से बार-बार रुकावटें आईं और सदन स्थगित करना पड़ा।

टी-20 विश्व कप में विदेशी टीमों की तरफ से भाग लेंगे भारतीय मूल के कई क्रिकेटर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में कई टीमों में भारतीय मूल के क्रिकेटरों की भरमार है जो सात फरवरी से होने वाले टूर्नामेंट में अपनी 'घरेलू धरती' पर प्रभाव छोड़ने के लिए पुरजोर कोशिश करेंगे। विदेशी टीमों में भारतीय मूल के तीन दर्जन से भी अधिक क्रिकेटर हैं जिनमें कनाडा और अमेरिका सबसे आगे हैं। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर जैसे खिलाड़ी के लिए वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेलना एक यादगार पल होगा। जिस देश में उन्होंने जन्म लिया वह उसकी तरफ से तो नहीं खेल पाए लेकिन अपने बचपन की इस धरती पर वापसी के लिए भावुक हैं।

फगवाड़ा में जन्मे इटली के तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह भी उस देश में शीर्ष स्तर की क्रिकेट खेलने के लिए बेताब हैं, जिसे उन्होंने किशोरावस्था में ही छोड़ दिया था। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त का जन्म भारत में नहीं हुआ, लेकिन वह भी अपने मूल देश में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

आईसीसी की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 20 टीमों में कनाडा (11) की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक है। उसके बाद अमेरिका (09), ओमान (07) और यूएई (07) का नंबर आता है। मेजबान भारत अपनी घरेलू धरती पर खिताब का बचाव करने की कोशिश करेगा लेकिन कई अन्य टीमों में भी 'भारतीय दबदबा' देखने को मिलेगा। हम यहां पर भारतीय मूल के कुछ क्रिकेटरों पर नजर डाल रहे हैं जो कि टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ सकते हैं।

सौरभ नेत्रवलकरः भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट खेल चुके अमेरिका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नेत्रवलकर विश्व कप के पहले मैच में भारत का सामना करने के लिए मुंबई पहुंच चुके हैं। उन्होंने पिछले विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करने वाले इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछली बार बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे अमेरिका की टीम ने पाकिस्तान जैसी टीमों को हराकर सुपर आठ के लिए क्वालीफाई किया था।

नेत्रवलकर भारत की अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेलने के लिए बेताब हैं, लेकिन सात फरवरी को वानखेड़े में मुंबई टीम के अपने पूर्व साथी सूर्यकुमार यादव के खिलाफ मैदान में उतरते समय उन्हें अपनी भावनाओं पर काबू रखने की कोशिश करनी होगी।

मोनांक पटेलः भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिका की कप्तानी आनंद में जन्मे मोनांक पटेल करेंगे, जिन्होंने पिछले विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच विजेता अर्धशतक लगाकर अपनी छाप छोड़ी थी।

यह 32 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गुजरात अंडर-19 टीम के अपने पूर्व साथी जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए उत्सुक है। वह मैदान के बाहर अपने बचपन के दिनों को याद कर रहे हैं। बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं और मोनांक को किशोरावस्था में ही इसका पता चल गया था। मोनांक ने कहा, "हमने साथ में लाल गेंद और सफेद गेंद दोनों तरह की क्रिकेट खेली है और वह वाकई बहुत खास पल थे।

वह मेरे क्रिकेट करियर का शुरुआती दौर था और तब भी जिस तरह से हम खेल रहे थे, विशेषकर जिस तरह से जसप्रीत प्रदर्शन कर रहा था, हम जानते थे कि उसमें वो खास हुनर है और वह आगे चलकर जरूर बड़ा खिलाड़ी बनेगा।" **जसप्रीत सिंहः** इटली के फगवाड़ा में जन्मे जसप्रीत सिंह पर भी लोगों की निगाहें टकी रहेंगी। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी 2006 में अपने परिवार के साथ मिलान चला गया था। उन्होंने इटली में टेप-बॉल क्रिकेट से अपने करियर की शुरुआत की और 2016-17 में लाल गेंद की क्रिकेट में कदम रखा और फिर 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। आईसीसी प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलना उस तेज गेंदबाज के लिए सपने जैसा है, जो कुछ समय पहले तक आजीविका के लिए उबर ड्राइवर के रूप में काम करता था। **आर्यन दत्तः** आर्यन दत्त को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का अनुभव है। नीदरलैंड की टीम में भारतीय मूल के एकमात्र क्रिकेटर 22 वर्षीय आर्यन दत्त का लक्ष्य प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करके शीर्ष टीमों को हैरान करना है। दत्त का परिवार 1980 के दशक में पंजाब से नीदरलैंड चला गया था। भारत में अब भी उनके परिवार के कुछ सदस्य रहते हैं। **दिलप्रीत बाजवाः** गुरदासपुर में जन्में बाजवा 2020 में ही कनाडा गए थे और छह साल बाद वह कनाडा की टीम के कप्तान के रूप में भारत आए हैं। पंजाब में आयु वर्ग की क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के बावजूद बाजवा को वह अवसर नहीं मिले जिनकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने हालांकि निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और कम प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी क्रिकेट यात्रा जारी रखी। कनाडा ग्लोबल टी20 लीग में मिली सफलता से उन्होंने कनाडा की टीम में जगह बनाई और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। यह 23 वर्षीय यह खिलाड़ी 2024 के टी20 विश्व कप में भी कनाडा की टीम का हिस्सा था। **जतिंदर सिंहः** बाजवा की तरह लुधियाना में जन्मे जतिंदर भी अपने नए देश ओमान की टीम की कप्तानी करेंगे। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से अधिक समय से क्रिकेट खेल रहा है, लेकिन उन्हें भारत में खेलने का अवसर कभी नहीं मिला। ओमान के सभी लीग मैच श्रीलंका में होने के कारण जतिंदर के लिए अपनी जन्मभूमि में खेलने का सपना पूरा कर पाना मुश्किल लग रहा है।

इतिहास में पहली बार,12 महीने में 5 व्यापार सौदे क्यों हिंदुस्तान संग बिजनेस करने को आतुर है दुनिया

वाशिंगटन। भारत के आर्थिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुछ ही दिनों में देश ने दो बड़े-बड़े व्यापारिक समझौते कर लिए हैं। पूरे साल की बात करें तो भारत ने कुल पांच प्रमुख ट्रेड डील साइन की हैं, और इन समझौतों वाले देशों की मिली-जुली जीडीपी दुनिया की कुल जीडीपी का 50प्रतिशत से भी ज्यादा है। सबसे नई और ताजा डील अमेरिका के साथ हुई है, जो पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव और टैरिफ की वजह से चर्चा में बनी हुई थी। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है, जहां पिछले वित्त वर्ष (2025) में भारत के कुल निर्यात का करीब 20प्रतिशत माल गया और हमारे आयात में उनकी हिस्सेदारी 6.3प्रतिशत रही। वर्ष 2014 से अब तक भारत ने आठ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया है। भारत ने पिछले कुछ वर्ष में 37 विकसित देशों के साथ आठ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया है। दूसरी तरफ भारत चिली, पेरू और कनाडा सहित कई देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। चिली के साथ व्यापार वार्ता लगभग अंतिम चरण में है जहां भारत के महत्वपूर्ण खनिजों में हित हैं।पश्चिम एशिया क्षेत्र के छह देशों के समूह जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषदने) भी भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की है।

दुनिया में कई बड़े देश आजकल मंदी या परेशानी में हैं, लेकिन भारत लगातार 7प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यहाँ सब कुछ काफी स्थिर और भरोसेमंद है। भारत में 140 करोड़ लोग हैं और इनमें से बहुत सारे लोग अब मध्यम वर्ग के हैं - यानी उनके पास पैसे हैं, वे सामान खरीदते हैं। दुनिया की हर बड़ी कंपनी के लिए यह सबसे अच्छा ग्राहक आधार है। कई कंपनियां अब चीन में फैक्ट्री चलाने की जगह दूसरा देश ढूंढ रही हैं। भारत अपनी झ्थ्ङ स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) के जरिए उन्हें अच्छी सुविधाएं और मदद दे रहा है। भारत के पास दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी है। साथ ही डिजिटल पेमेंट, इंटरनेट और टेक्नोलॉजी में भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसीलिए आजकल लगभग हर देश और हर बड़ी कंपनी भारत से जुड़ना चाहती है।

आने वाले वर्ष में भारत के लिए निश्चित रूप से और भी कई अच्छी खबरें सुनने को मिलेंगी। भारत एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी बनेगा।

बीसीसीआई का बड़ा ऐलान- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी क्रिकेट सीजन के लिए दो महत्वपूर्ण टीमों की घोषणा कर दी है। महिला क्रिकेट में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बहुप्रतीक्षित मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के अंतिम चरण के लिए भारतीय टेस्ट टीम का चयन कर लिया गया है। साथ ही, ''ण्ण राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए 'इंडियाँ' टीम की कमान भी सौंप दी गई है।

यह ध्यान देने वाली बात है कि सीरीज़ का एकमात्र टेस्ट मैच 6 से 9 मार्च 2026 तक पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी और स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी। इसके अलावा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, प्रतिका रावल और कई अन्य स्टार खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में भारतीय महिला टीम के लिए खेलेंगी, और यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम जीतती है।

इसके अलावा,बीसीसीआई ने आगामी एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम की भी घोषणा की। दीया यादव और ममता का टीम में शामिल होना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है, जबकि हुमैरा काज़ो, वृंदा दिनेश

और कई अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट में टीम के लिए खेलेंगी।भारतीय महिला टीम 13 फरवरी को ळ्के खिलाफ अपने राइजिंग एशिया कप अभियान की शुरुआत करेंगी। इसके बाद वे ग्रुप चरण में 15 और 17 फरवरी को पाकिस्तान'' और नेपाल का सामना करेंगी।भारत की महिला टेस्ट टीमः हरमनप्रीत कौर डण, स्मृति मंधाना डच्न, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष डेंख, उमा छेत्री डेंख, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सायली सतघरे। एसीसी राइजिंग स्टार एशिया कप टीम के लिए भारत ए टीमः हुमैरा काजी, वृंदा दिनेश, अनुष्का शर्मा, दीया यादवङ, तेजल हसब्निस, नंदनी कश्यप डविकेटकीपर, ममता एम डविकेटकीपर, राधा यादव डसी, सोनिया मेंढिया, मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, जिन्तामणि कलिता, नंदनी शर्मा।

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले पर सियासी संकट,नॉक आउट मैच भी हो सकता है रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के अपने सरकारी फैसले पर चुप्पी साध रखी है। वहीं, एक विश्वसनीय सूत्र ने स्वीकार किया कि शीर्ष स्तर से आ रहे निर्देशों का पालन करने के अलावा पीसीबी के पास कोई विकल्प नहीं है। इस घटनाक्रम के बीच, राष्ट्रीय टीम 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने बाकी मैच खेलने के लिए कोलंबो रवाना हो गई। पीसीबी के एक शीर्ष सूत्र ने कहा कि अगर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण के दौरान कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ कोई और मैच निर्धारित होता है, तो बोर्ड सरकारी निर्देशों का पालन करेगा।

सूत्र ने बताया कि सरकार ने बोर्ड को सूचित कर दिया है कि राष्ट्रीय टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी और विश्व कप में अंक गंवा देगी। यदि पाकिस्तान को नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ खेलना पड़ता है, तो उस समय सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का बोर्ड पालन करेगा। यदि भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का निर्णय वापस नहीं लिया जाता है, तो पाकिस्तान का अभियान 7 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ शुरू होगा, इसके बाद 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच होंगे।

वहीं, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा कि टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच के बहिष्कार के गंभीर परिणाम की पाकिस्तान को चेतावनी देकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सही किया। पाकिस्तान के फैसले की जानकारी आधिकारिक सरकारी बयान के मार्फत मिली जिसे टूर्नामेंट से बांग्लादेश को बाहर किये जाने के राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जा रहा है। आईसीसी ने सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराने से इनकार किया था। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेता दिया है कि इस मैच के बहिष्कार के गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यह फैसला खेल के हित में नहीं है।

शुक्ला ने पत्रकारों से कहा कि आईसीसी ने इस मामले पर बड़ा बयान दे दिया है। इसमें खेल भावना की अहमियत को बताया गया है। हम आईसीसी से सहमत हैं। जब तक आईसीसी से बात नहीं हो जाती, बीसीसीआई कोई बयान नहीं देगा। विवाद की शुरूआत बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से बाहर करने के फैसले के बाद हुई। इसके बाद बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत आने से इनकार कर दिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह शर्मनाक है कि दोनों तरफ खेल का राजनीतिकरण हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि मुस्ताफिजुर का कोलकाता में खेलने का करार रद्द किया जाना चाहिये था। यह राजनीति का दुर्भाग्यपूर्ण दखल है।

भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि!

अगले साल भारत में होगी एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। भारत अगले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई देशों के शीर्ष निशानेबाजों को एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के पास सीधे ओलंपिक कोटा हासिल करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारत को यह मेजबानी मिलना देश की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एशियाई

निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने पत्र में कहा, "हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।" पीटीआई के पास मौजूद पत्र में कहा गया है, "हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।" देव को उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय निशानेबाज ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "हमारे खिलाड़ियों को दो ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा जो उन्हें अपनी धरती पर खेलने हैं और जिनमें वे अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल कर सकते हैं। मैं एएससी के महासचिव इंजीनियर अल ओतैबी और उनकी टीम का विश्वस्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की भारत की क्षमता पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।" एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, "यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नयी दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।" उन्होंने कहा, "एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।"सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा। आईएसएसएफ ने पेरिस ओलंपिक खेलों के चक्र के दौरान विश्व कप में ओलंपिक क्वालीफिकेशन कोटा नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के चक्र के लिए कोटा स्थान देने का फैसला किया है। सिंह ने कहा, "उम्मीद है कि भारतीय निशानेबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। हमारा लक्ष्य देश के लिए आवंटित सभी 24 स्थानों का कोटा हासिल करना है जो पेरिस ओलंपिक के लिए हासिल किए गए 22 कोटा स्थान से अधिक है।" दिल्ली में बुधवार से इस वर्ष की एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में 20 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज भाग लेंगे।

स्मृति मंधाना का बड़ा खुलासा,विश्व कप के उस एक गलत शॉट ने मुझे सोने नहीं दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के दौरान भारतीय टीम लगातार तीन मैचों में हार ने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। इस खराब क्रम की तीसरी हार इंग्लैंड के खिलाफ आई, जहां भारत जीत की मजबूत स्थिति में होने के बावजूद मैच गंवा बैठा था। स्मृति मंधाना ने उस मुकाबले में 88 रनों की अहम पारी खेली थी, लेकिन निर्णायक मोड़ पर उनका आउट होना टीम के हार की वजह बना और इंग्लैंड ने चार रन से मुकाबला जीत लिया था।

गौरतलब है कि मंधाना ने आरसीबी पॉडकास्ट में इस पूरे दौर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह विश्व कप में शानदार फॉर्म के साथ आई थीं, लेकिन शुरुआती तीन मैचों में चीजें उनके मुताबिक नहीं रहीं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद मंधाना ने खुद से सवाल किए कि गलती कहां हो रही है। नेट्स में बल्लेबाजी अच्छी थी, लेकिन मैच में सही फैसले नहीं ले पा रही थीं। इसके बाद एक मैच में 80 रन जरूर बने, जिससे लय लौटती

दिखी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ हार उन्हें सबसे ज्यादा खली। मंधाना ने बताया कि उस मैच में गलत शॉट खेलने का अफसोस पूरे सफर तक उनके साथ रहा। उड़ान के दौरान वह किसी से बात नहीं कर सकीं और मानसिक दबाव काफी बढ़ गया था। उन्हें यह डर सता रहा था कि घरेलू विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह न बना पाना भारतीय महिला क्रिकेट को वर्षों पीछे धकेल सकता है। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला भारतीय टीम के लिए करो या मरो जैसा था। उसी मैच में मंधाना ने 95 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि मैच की अहमियत और चारों ओर के शोर के बावजूद यह पारी उनके लिए बेहद खास रही। उन्होंने यह भी कहा कि महिला क्रिकेट को लेकर ट्रोलिंग नई बात नहीं है, लेकिन टीम के तौर पर सभी एक-दूसरे का साथ दे रहे थे। सेमीफाइनल में पहुंचने की जिद ही उन्हें अंदर से खाए जा रही थी और उसी जज्बे ने मैदान पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाया हैं।

भारत की 'गोल्डन गर्ल', जिसका 100एम राष्ट्रीय रिकार्ड आज भी है अटूट

नई दिल्ली। स्टार फर्राटा धावक दुती चंद आज यानी की 03 फरवरी को अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। वह इटली में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। हालांकि उनका यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा है। वह एक समलैंगिक हैं, इस बात के खुलासा होने पर उनको जमकर विरोध का सामना करना पड़ा था। वहीं उनके परिवार ने भी इसका विरोध किया था। दुती चंद के दौड़ने के जुनून ने भारत को इतना आगे पहुंचाया, जिसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर भारतीय एथलीट दुती चंद के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** ओडिशा के जाजपुर जिले में 03 फरवरी 1996 को दुती चंद का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम चक्रधर था और मां का नाम अखूजी था। वह बेहद साधारण परिवार से ताल्लकु रखती थीं। उन्होंने अपना बचपन गरीबी में बिताया था। दुती चंद को अपने बड़ी बहन सरस्वती से धाविका बनने की प्रेरणा मिली थी। दुती चंद की बड़ी बहन सरस्वती राज्य स्तर की धाविका रह चुकी हैं।

राष्ट्रीय चैंपियनः दुती चंद झील के किनारे दौड़ की प्रैक्टिस करती थीं। लेकिन वह साल 2012 में चर्चा में आईं, जब दुती चंद ने 100 मीटर स्पर्धा में अंडर-18 वर्ग में राष्ट्रीय

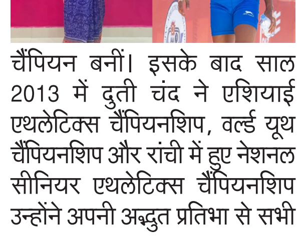

चैंपियन बनीं। इसके बाद साल 2013 में दुती चंद ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप, वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप और रांची में हुए नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

उपलब्धियांः दुती चंद के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2013 में मिली थी। दरअसल, इटली के नेपल्स में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सियाड में 100 मीटर इवेंट में दुती चंद ने गोल्ड मेडल हासिल करके इतिहास रचा। ऐसा करने वाली दुती चंद पहली भारतीय महिला धाविका बनी थीं। उनके द्वारा महिला 100 मीटर दौड़ में बनाया गया नेशनल रिकॉर्ड आज तक अटूट है। साल 2016 के रियो ओलंपिक का उन्होंने टिकट हासिल किया था। ऐसा करने वाली दुती चंद महिलाओं के 100 मीटर में भाग लेने वाली देश की 5वीं एथलीट बनीं थी।

फिर साल 2018 में जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में दुती चंद ने दो पदक हासिल किए थे। इनमें से महिलाओं के 100 मीटर फाइनल में रजत पदक काफी अहम रहा। पीटी उषा के बाद दो दशक के बाद यह पदक किसी ने दिलाया। महिलाओं के 200 मीटर के फाइनल में जीत हासिल की और वह 16 बाद सरस्वती साहा के बाद गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय बनीं।

विवादः साल 2014 में दुती चंद कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आखिरी समय में उनको एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अयोग्य करार दे दिया गया।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में कुर्सी के लिए वह हुआ जो कभी नहीं हुआ

राजनीति में जब भी कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो कहावत झट से रख दी जाती है कि सियासत है ही संभावनाओं का खेल और इसमें कोई स्थायी दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं होता। हालांकि महाराष्ट्र निकाय चुनाव में पद की चाहत ने जिस तरह की संभावनाएं पैदा कर दीं, उससे बड़े-बड़े जानकार हैरान हैं। बीजेपी-कांग्रेस का गठबंधन भले कुछ वक्त ही चला, पर इसने साबित कर दिया कि आज की राजनीति में विचारधारा से ज्यादा अहमियत सत्ता की है। यह उलटफेर देखने को मिला है अंबरनाथ और अकोट नगर पालिका में। अंबरनाथ में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सत्ता से बाहर रखने के लिए बीजेपी, कांग्रेस और अजित पवार गुट की एनसीपीने मिलकर अंबरनाथ विकास अघाड़ी बना लिया, जबकि अकोट में बीजेपी और एआईएमआईएम एक हो गए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस पर नाराजगी जताई है और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने एक विधायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जबकि कांग्रेस ने अंबरनाथ में अपने पार्षदों को सस्पेंड कर दिया है। आमतौर पर स्थानीय स्तर पर नेताओं को परिस्थितियों के अनुसार फैसले लेने की छूट होती है। लेकिन, ये गठबंधन राज्य में बड़े स्तर पर चल रही सियासत का भी संकेत देते हैं। राज्य में सत्ताधारी बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच की अनबन कई बार सतह पर आ चुकी है। पिछले साल नवंबर में दोनों दलों ने एक-दूसरे पर नेताओं की पोचिंग यानी लालच देकर अपनी तरफ मिलाने का आरोप लगाया था। तब शीर्ष स्तर पर सहमति बनी थी कि दोनों एक-दूसरे के नेताओं को नहीं लेंगे। इससे आपसी असंतोष दब तो गया, पर लगता नहीं कि दूर हुआ। समझने वाली बात है कि सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दूसरे सहयोगी डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ रिश्ते भी नरम-गरम रहे हैं। भ्रष्टाचार से जुड़े उनके एक बयान को लेकर बीजेपी ने तल्ख प्रतिक्रिया दी है। गठबंधन के साथियों के बीच मनमुटाव आम बात है। कई बार वैचारिक मतभेद बड़े भी हो जाते हैं, लेकिन उनका इतना बढ़ जाना कि एक-दूसरे को रोकने के लिए विपक्ष से हाथ मिला लेना असल में जनता के साथ धोखा है। जहां विचारों के स्तर पर कोई मेल ही न हो, वहां कुर्सी के लिए हाथ मिला लेना सरासर अवसरवादिता है। जिन दलों की राजनीति ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी है और जो केंद्र से राज्य तक प्रतिद्वंद्वी हैं, क्या एक जगह जनता के हित में तालमेल से चल पाएंगे? इसमें संशय है।

तेल के खेल में मोदी के आगे कोई नहीं टिक सकता,भारत-वेनेजुएला वार्ता के बाद दुनिया में मची हलचल

नीरज कुमार दुबे

भारत और वेनेजुएला के बीच कूटनीति ने अचानक तेज रफ्तार पकड़ ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने वैश्विक ऊर्जा राजनीति में जबरदस्त हलचल पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच हुई इस वार्ता का सीधा संबंध तेल से है और इसका परोक्ष असर भारत रूस निर्भरता घटाने, अमेरिका से व्यापारिक दबाव कम करने और ग्लोबल साउथ में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत करने से जुड़ा है।

सूत्रों के अनुसार अमेरिका ने भारत को संकेत दिया है कि वह शीघ्र ही वेनेजुएला से तेल खरीद दोबारा शुरू कर सकता है ताकि रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता घटे। यह पहल भारत अमेरिका ऊर्जा संबंधों को नए सांचे में ढालने की अमेरिकी कोशिश का हिस्सा है। रिपोर्टों के मुताबिक आने वाले महीनों में भारत रूसी तेल आयात में प्रतिदिन कई लाख बैरल की कटौती कर सकता है। इस कूटनीतिक पृष्ठभूमि में डेल्सी रोड्रिगेज ने प्रधानमंत्री मोदी से वार्ता के बाद ऊर्जा सहयोग पर सहमति की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक संदेश में कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय साझेदारी को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की साझा दृष्टि रखते हैं।

हम आपको बता दें कि यह वार्ता ऐसे समय हुई है जब वेनेजुएला ने अपने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का ऐतिहासिक फैसला लिया है।

वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों वाला देश है। दशकों तक कठोर सरकारी नियंत्रण के बाद अब कानूनों में व्यापक सुधार किए गए हैं। खोज, उत्पादन, वितरण और विपणन में निजी भागीदारी को अनुमति दी गई है। कर और रॉयल्टी घटाई गई हैं, बड़े प्रोजेक्ट के लिए शुल्क और कम किए जा सकते हैं और विवादों में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का रास्ता खोला गया है। इस तरह यह बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के दौर की राष्ट्रीयकरण नीति को पलट दिया गया है। अमेरिका ने भी जवाबी कदम उठाते हुए वेनेजुएला को प्रतिबंधों में ढील दी है। नया सामान्य लाइसेंस अमेरिकी कंपनियों को वेनेजुएला के तेल के निर्यात, भंडारण, परिवहन और परिशोधन की अनुमति देता है, हालांकि भुगतान और कुछ देशों से जुड़े लेन-देन पर सख्त शर्तें रखी गई हैं। हम आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल मार्च में वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाया था, जिसमें भारत भी शामिल था। अब दिशा बदली है। देखा जाये तो रूस यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने अवसर का लाभ उठाते हुए सस्ता रूसी तेल बड़ी मात्रा में खरीदा। इससे देश की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी हुईं और कीमतों पर भी नियंत्रण रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। अमेरिका का दबाव बढ़ा है,

व्यापार शुल्क भारी हुए हैं और प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति व्यवस्था जटिल हो गई है। इसी वजह से भारत अब तेल आयात के नए विकल्प तलाश रहा है। आयात के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर में रूस से तेल खरीद दो साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही ओपेक देशों से आने वाले तेल की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली है और आपूर्ति स्रोत बदलने शुरू कर दिए हैं।

इसी बीच, वेनेजुएला के नए कानून ने एक नई संभावना खोली है। उत्पादन और निर्यात में तेज बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिबंधों के चलते जो तेल पहले मजबूरी में सस्ते दाम पर बेचना पड़ता था, अब वह बेहतर कीमत और कम लागत के साथ खुले बाजार में उपलब्ध होगा। सरकारी आकलन के अनुसार, वेनेजुएला में इस साल उत्पादन में 18 प्रतिशत तक बढ़ोतरी संभव है, जबकि निजी अनुमान इससे भी तेज उछाल की ओर संकेत कर रहे हैं। देखा जाये तो मोदी और रोड्रिगेज की बातचीत सिर्फ एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि सामरिक संकेत है। भारत साफ तौर पर संदेश दे रहा है कि वह किसी एक स्रोत या किसी एक धड़े के साथ नहीं रहेगा। ऊर्जा सुरक्षा भारत की आर्थिक संप्रभुता की रीढ़ है और इस रीढ़ को मजबूत करने के लिए बहुध्रुवीय नीति अनिवार्य है। वेनेजुएला के दरवाजे खुलना भारत के लिए अवसर की तरह है क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार तक पहुंच सस्ती और स्थिर आपूर्ति का रास्ता खोल सकती है। हालांकि भारत को अमेरिकी शर्तों, भुगतान नियमों और भू-राजनीति की रस्साकशी में संतुलन भी साधना होगा।

सामरिक रूप से यह कदम रूस पर निर्भरता घटाकर भारत की सौदेबाजी की शक्ति को और बढ़ाता है। यदि भारत वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करता है तो अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव कम हो सकता है, साथ ही लैटिन अमेरिका में भारत की मौजूदगी मजबूत होगी। ग्लोबल साउथ के मंच पर भी यह संकेत जाएगा कि भारत ठोस साझेदारी करता है। वहीं वेनेजुएला ने नियम सरल कर यह दिखा दिया है कि आर्थिक यथार्थ विचारधारात्मक जिद से बड़ा होता है। निजी निवेश, कम कर, अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता और पारदर्शिता से ही उत्पादन बढ़ेगा और आम नागरिक तक लाभ पहुंचेगा। भारत यदि यहां निवेश और दीर्घकालिक खरीद समझौते करता है तो यह दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा।

बहरहाल, इस पूरी तस्वीर के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल और दूरदर्शी विदेश नीति साफ दिखाई देती है। कच्चे तेल की खरीद और आपूर्ति के मोर्चे पर उन्होंने खुद को एक मास्टर रणनीतिकार के रूप में स्थापित किया है। जब दुनिया रूस यूक्रेन युद्ध के बाद तेल संकट से जूझ रही थी, तब भारत पर भी हर तरफ से दबाव था कि वह सस्ते रूसी तेल से दूरी बनाए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए बहुस्तरीय कूटनीति अपनाई। रूस से तेल खरीद जारी रखी, पश्चिम एशिया और अफ्रीका से आपूर्ति संतुलित की और अब लैटिन अमेरिका की ओर रणनीतिक कदम बढ़ा दिये हैं। इसी संतुलित नीति का नतीजा रहा कि जहां यूरोप और अमेरिका में ईंधन के दाम आसमान छू रहे थे, वहीं भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें काबू में रहीं। यह केवल आर्थिक प्रबंधन नहीं था, बल्कि वैश्विक दबावों के बीच भारत की सामरिक स्वायत्तता और नेतृत्व क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन था। देखा जाये तो मौजूदा संकेत साफ बता रहे हैं कि नई दिल्ली लगातार कुशल रणनीति के साथ फैसले कर रही है। यही आक्रामक यथार्थवाद आज के दौर की मांग है।

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

2 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाडू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया।

गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए

धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था। महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?' जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

अरावली पर्वतमाला : अवैध खनन रोकने में जनसहभागिता भी जरूरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय की अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन को लेकर जो चिंता देखी गई है वह अपने आपमें महत्वपूर्ण इसलिए हो जाती है कि अरावली पर्वतमाला को खोखला करने में अवैध खनन गतिविधियों की प्रमुख भूमिका रही है। यही कारण है कि 21 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बैंच ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और समस्या के मूल कारण अवैध खनन पर रोक पर जोर दिया है। 21 जनवरी के निर्देशों को स्पष्टता की दृष्टि से दो भागों में समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी में जहां अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी रोक और इसकी कार्ययोजना के निर्देष दिए हैं वहीं अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के मुद्दे का अलग अलग देखने पर जोर दिया है। अरावली पर्वतमाला की 100 मीटर के आदेष को दिसंबर के केप्ट इन एवियांस के आदेश को यथावत रखा हैं और विशेषज्ञों की कमेटी बनाने के लिए नाम व सुझाव मांगे है। कमोबेस चार सप्ताह में दुबारा सुनवाई तक कार्ययोजना और विशेषज्ञों के नाम और सुझाव का समय दिया गया है। पर अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने अधिक गंभीरता जताई है। अरावली पर्वतमाला को लेकर वैध और अवैध खनन की बहस को अलग रखकर देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि अरावली पर्वतमाला को वैध खनन से अधिक अवैध खनन ने नुकसान पहुंचाया है। यह चिंता केवल पर्यावरणविदों की ही नहीं अपितु समूचे समाज और समूचे देश की इस मायने में है कि अरावली पर्वतमाला एक मोटे अनुमान के अनुसार 2 अरब पुरानी प्रोटेरोजोइक युग में निर्माण हुआ माना जाता है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर और गुजरात तक अरावली पर्वतमाला है। राजस्थान का बड़ा क्षेत्र 20 जिले अरावली पर्वतमाला में आते हैं। अरावली पर्वतमाला की कोख में मेसेनरी स्टोन से लेकर क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के अपार भण्डार है। देखा जाए तो अरावली पर्वतमाला को राजस्थान की तुलना में हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में अधिक नुकसान पहुंचाया गया है। खैर आरोप प्रत्यारोप का ना तो यह समय है और ना ही इससे कोई निकष निकलने वाला है। पर एक बात साफ है कि अरावली पर्वतमाला को संरक्षित रखना समय की मांग और भविष्य के लिए आज की आवश्यकता है। अरावली पर्वतमाला देखा जाए तो थार के मरुस्थल के फैलाव को रोकने की प्राकृतिक तारबंदी या दीवार माना जा सकता है। एक तरह से मरुस्थलीय विस्तार पर प्राकृतिक अवरोध है। जल और वायु को संरक्षित करता है तो जैव विविधता को संरक्षित करती है। अरावली पर्वतमाला में जैव विविधता के साथ ही वन्यजीव गलियारे विकसित है। दरअसल अरावली पर्वतमाला केवल प्राकृतिक अवस्था नहीं है बल्कि अन्य सब कारकों के साथ ही इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। अरावली श्रृंखला धूलभरी आंधियों से संरक्षित करती है तो जल संरक्षण और नदियों का स्रोत भी है। वन्य जीवों सहित जैव विविधता को अपनी कोख में संरक्षित किये हुए हैं। अब दोहरा संकट सामने हैं। एक और अरावली के संरक्षण की आवष्यकता है तो दूसरी और बेशकीमती खनिजों का खनन भी समय की मांग है। हांलाकि जैसा नवंबर के आदेश के बाद विशेषज्ञों के विष्लेषण सामने आये हैं वह कहानी कुछ और ही कहता है पर यह विवाद या बहस का विषय हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अवैध खनन एक प्रमुख कारण रहा है। हांलाकि दिसंबर के केप्ट इन एवियांस आदेश के साथ ही राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने प्रदेष में अरावली क्षेत्र के 20 जिलों में 29 दिसंबर, 25 से 15 जनवरी, 2026 तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया और इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। अभियान के प्राप्त आंकड़ों के

अनुसार 1445 प्रकरण दर्ज हुए और संबंधित पुलिस थानों में 320 एफआईआर दर्ज कराई गई। इस दौरान 140 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। 82898 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 68 एक्सक्वेटर, जेसीबी सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए और 1223 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये गये। अभियान के दौरान जुर्माने के रुप में 9 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा किए गए। यह भौतिक उपलब्धि रही है। खैर आंकड़ों को अलग रख भी दिया जाए तो राजस्थान सरकार ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ईमानदार प्रयास किये हैं। केन्द्र सरकार ने भी अरावली संरक्षण को लेकर कार्ययोजना घोषित की है। इस क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध तो है ही। चिंतनीय और गंभीर सवाल यह उठता है कि नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय के अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने के कुछ समय बाद जिस तरह से अरावली संरक्षण के लिए देश व्यापी आवाज उठी और जिस तरह से डीपी लगाने और प्रदर्शन आदि का दौर चला वह दिसंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवंबर के आदेश को केप्ट इन एवियांस करने के साथ ही ना जाने कहां नेपथ्य में चला गया। हांलाकि अरावली पर्वतमाला को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई गई वह जागरुकता की मिसाल मानी जा सकती है। बाद में तो कुछ छुट-पुट आवाज ही सुनाई दी। जबकि मीडिया लगातार अग्रलेखों व अन्य तरह से इस मुद्दे को जीवित रखे रहा। सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम टिप्पणी ने अवैध खनन के प्रति जिस तरह से गंभीरता दिखाई है और रोक लगाने के निर्देश दिए हैं वह समस्या की जड़ तक पहुंचने में सहायक है। जब हम सब मानकर चल रहे हैं और जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी एक तरह से मोहर लगा दी है कि समस्या की जड़ अवैध खनन गतिविधियां है तो फिर आवाज की गूंज अवैध खनन पर रोक की भी तेज होनी चाहिए। अब सवाल यह भी उठता है कि अवैध खनन करने वाले कौन है? अरावली पर्वतमाला को खोखला करने वाले कौन है? कोई आप हम में से आम आदमी तो हो नहीं सकता। निश्चित रुप से प्रभावशाली लोगों का ही यह काम है। मजे की बात यह है कि इस तरह के लोगों में से कुछ तत्व ही आंदोलन के अगुवा बन जाते हैं। फिर धरातलीय बात की जायं तो यह मानना ही पड़ेगा कि स्थानीय लोगों, स्थानीय प्रशासन और सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं से छुप कर अवैध खनन होता हो तो यह भी गले उतरने वाली बात नहीं हो सकती। ऐसे में भले ही आरोप प्रत्यारोप किसी पर भी लगे, कहने को सरकार और सरकारी मशीनरी को दोषी बताया जाएं पर आमआदमी और गैरसरकारी संस्थाओं, सोशल एक्टिविस्टों की भी समाज के प्रति जिम्मेदारी बनती है। तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि राजस्थान सरकार द्वारा या किसी भी राज्य की सरकार द्वारा अभियान चलाये जाते हैं या अन्य सामान्य परिस्थितियों में अवैध खनन गतिविधियों की शिकायत भूल भटकी ही प्राप्त होती है। बात कड़वी अवश्य लग सकती है पर यह भी सही है कि अधिकांश शिकायतें आपसी रंजिश के कारण होती है या ब्लेकमेल कर कुछ लाभ प्राप्त करने की होती है। अन्यथा यदि जहां भी अवैध खनन हो रहा है वहां के आसपास के लोग या एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाएं तो लाख प्रयासों के बावजूद अवैध खनन नहीं हो सकता है और अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। ठीक है सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को सख्ती से अवैध खनन गतिविधियों को रोकना भी चाहिए पर यह भी साफ हो जानी चाहिए कि वैध खनन को प्रोत्साहित करके ही अवैध खनन पर कारगर रोक संभव है और दूसरी यह कि सरकार के साथ ही आमजन को भी सक्रिय होने के साथ ही अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। यहां सरकार के पक्ष में कहने की यह बात नहीं है पर अवैध खनन गतिविधियां जहां भी हो रही है वहां के नागरिकों को भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से आगे आना चाहिए ताकि अरावली के संरक्षण में ठोस सहभागिता हो सकें।

अस्थमा मरीजों के लिए नई 'हीट थेरेपी', बिना कोई साइड इफेक्टस

अस्थमा के 7 से 8 फीसद मरीजों में इसके लक्षण सामने नहीं आते या फिर विकसित नहीं होते, जबकि दवाएं बढ़ती चली जाती हैं। ऐसे मरीजों के लिए एक नई आशा की किरण सामने आई है। एक खास तरह का उपचार (थेरेपी) जिसमें रेडियो फ्रिक्वेंसी हीट वेव (पूँन) का इस्तेमाल करके सांस की नली की दीवार को हल्का गर्म किया जाता है। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया में मरीज को किसी भी तरह के दुष्प्रभाव (साइड इफेक्टस) से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह उन

मरीजों के लिए भी कारगर साबित होगी जो अस्थमा के साथ स्टेरॉयड (रसायनिक विशेष) की समस्या से भी जूझ रहे हैं। एक अखबार के अनुसार पश्चिमी देशों में इस तकनीक का इस्तेमाल कुछ साल पहले किया गया था और भारत में चेस्ट के कुछ फिजिशियन गंभीर अस्थमा की तकलीफ से गुजर रहे मरीजों पर अब इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे ही एक मरीज हैं 60 साल के मुकेश गर्ग। पिछले 20 साल से वे लगातार खांसी और सांस नहीं ले पाने की समस्या का सामना कर रहे हैं। बाद उनकी तकलीफ इतनी बढ़ गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया।सर गंगा राम अस्पताल के सीनियर चेस्ट फिजिशियन डॉ। अरूप बसु ने द टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'उसे एंटीबायोटिक्स के हैवी डोज दिए गए। हालांकि इसकी वजह से साइट इफेक्टस की भी खतरा हो सकता है। इसलिए हमने उनका इलाज ब्रॉनिकल थेरेमोप्लास्टी (ऊ) के जरिए करना शुरू किया।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्रॉनिकल थेरेमोप्लास्टी के दौरान एक खास नली का इस्तेमाल हुआ, जिसे तीन अलग-अलग सप्ताह में तीन चरणों (सीटिंग्स) में सामान्य ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान डाला गया। कुछ मरीजों को सिर्फ दो चरण में ही राहत मिल गई।

अब साइलेंट किलर हाइपरटेंशन को कहो गुड बॉय

कई बीमारियां ऐसी होती हैं जो हमें कब हो जाती है और अंदर ही अंदर हमें खत्म करती रहती है लेकिन हमें पता तक नहीं चल पाता। हाइपरटेंशन या बीपी ऐसी ही एक साइलेंट किलर है जो हर दूसरे व्यक्ति को है और हर बीमारी की जड़ है। लेकिन हम इसे गंभीरता से नहीं लेते। गुरुवार(17 मई) को वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे है और हमें भारत की एक चौंकाने वाली स्टडी मिली है। भारत की पूरी आबादी में केवल 40 फीसदी लोगों को पता है कि उन्हें हाइपरटेंशन है। हाल ही में हेल्थ मिनिस्ट्री ने भी एक स्टडी में बताया है कि आठ में से एक व्यक्ति को बीपी है। इस स्टडी में पाया गया है कि भारत में 200 मिलियन अडल्ट हैं जो हाइपरटेंशन के शिकार हैं। जिसमें से 40 फीसदी को पता है और 20 फीसदी लोग ही इसका इलाज कराते हैं। सबसे बड़ी बात है कि भारत में बीमारियों से जितनी मौत होती है उसमें से 10 फीसदी लोग हाइपरटेंशन से मरते हैं। दरअसल,आईसीएमआर ने मई मेजरमेंट मंथ के दौरान इस स्टडी को कराया है। जब इस स्टडी से जुड़े डॉक्टर के के अग्रवाल से हमने बात की तो उन्होंने हमें बताया कि हाइपरटेंशन कई तरह के होते हैं, ये घर और ऑफिस में अलग - अलग होते हैं। डॉ के के अग्रवाल बताते हैं कैसे ये बीमारी युवाओं में ज्यादा बढ़ती जा रही है। ठहां बिल्कुल कुछ साल पहले तक हर कोई इसे हल्के में लेते थे, लेकिन जैसे जैसे लाइफस्टाइल बदल रही है ये गंभीर बीमारी के तौर पर सामने आ रही है। ये ऐसा साइलेंट किलर है जो सीधे आपके हर्ट या किडनी पर असर करता है। बच्चे से बड़े और युवा किसी को भी बीपी हो सकता है, उसे बीपी चेक अप जरूर कराते रहना चाहिए। घर और ऑफिस में बीपी अलग होगा, क्योंकि माहौल का बहुत फर्क होता है। '

क्या होते हैं लक्ष्मण

आपको गुस्सा आएगा, सांस लेने में तकलीफ होगी

आलसपन रहेगा, ताजगी नहीं रहेगी।

चेस्ट पेन होगा, सिर दर्द

थकान और तनाव महसूस होगा

कई बार तो नाक से खून भी निकलेगा

पेट और कमर की चौड़ाई को मेजर करें

कैसे करें इलाज

हफ्ते - दो हफ्ते में एक बार डॉक्टर से चेक जरूर।

सब्जी और ताजा फल खाएं और वजन न बढ़ने दें।

रोजाना एक्सरसाइज करें, मेडिटेशन और योगा बहुत फायदेमंद है।

खान पान और लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है।

2,300 मिलिग्राम से कम नमक पूरे दिन में लें।

पोटाशियम की मात्रा ठीक रखें।

केवल दवा या डॉक्टर के इलाज से बीपी से छुटकारा नहीं मिल सकता। इस स्टडी में ये भी साफ लिखा है कि केवल दवा या डॉक्टर के इलाज से बीपी से छुटकारा नहीं मिल सकता है, आपको अपनी लाइफस्टाइल बदलनी होगी। आपको इसके लिए अंदर से काम करना होगा। इस स्टडी के दौरान हमने एक मरीज से बात की जो काफी सालों से बीपी की शिकार हैं और दवा खाते खाते परेशान लेकिन वो

फायदा नहीं नजर आया, जो फायदा उन्हें पिछले एक साल में मेडिटेशन योगा और अपने अंदर लाइफस्टाइल में बदलाव करके मिला। प्रीति जुनेजा ट्रेनर हैं और इन्हें दो साल पहले पता चला कि इन्हें बीपी है। कैसे प्रीति ने इस बीमारी से खुद लड़ाई की और आज वे दवा के बगैर चल रही हैं। मुझे जब पता चला इतनी छोटी उम्र में मुझे बीपी है मैं सदमें में आ गई, यकीन नहीं हुआ। पहले खुद को समझाया फिर डॉक्टर के पास गई दवा ली। लेकिन मैंने ठान लिया दवा पर निर्भर नहीं होना, मैं खुद ही इसको सही करूंगी। ऑफिस, घर और ये बीमारी सब कुछ मैनेज करना मुश्किल था, लेकिन अपने अंदर हिम्मड़ीत लाई और इस सफर पर चल पड़ी। भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत देश के 100 ज़िलों में एक सर्वे किया। इस सर्वे में करीब 2 करोड़ लोगों का चेक हुआ। इसमें ये पता चला कि 2 करोड़ लोगों में से 28 लाख से पीड़ित हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, भारत ा़ी करीब 8 प्रतिशत आबादी की शिकार है इनमें पुरुषों की संख्या 10 प्रतिशत और महिलाओं की संख्या करीब 7 प्रतिशत है।

ट्रैकिंग के शौकीन हैं तो दक्षिण भारत की इन मशहूर जगहों पर आएं

घूमना फिरना हर किसी को पसंद होता है। कुछ लोग अपने परिवार के साथ हॉलीडे पर जाते हैं तो कुछ लोग शहरों की भीड़-भाड़ से दूर शांति की तलाश करने। आज के वक्त में हर इंसान जरूरतों को पूरा करने के लिए बस भाग रहा है। परिवार, ऑफिस, कॅरियर, नौकरी हर तरह की टेंशन लेकर बस इंसान दौड़ रहा है, इसलिए घूमना एक तरह की जरूरत

हो गया है। कुछ दिन अपने शहर से दूर अपनी पसंदीदा जगह पर वक्त बिताना काफी रिफ्रेशिंग होता है लेकिन कुछ लोग थोड़े अलग होते हैं। उनके लिए ट्रैवल करना एक नशा है और घूमने के साथ साथ एडवेंचर करने की लत तो ओर भी बड़ा नशा है। और ये अपने आप में एक मजेदार लत है। किसी भी जगह जाना, वहां की चीजों को गहराई से जानना, वहां की संस्कृति को पहचानना अपने आप में एक अनोखा अहसास होता है। और ये अहसास और भी मजेदार हो जाता है जब आप अपने ट्रिप पर अपने पसंद वाले एडवेंचर करते हैं। सबसे मुश्किल भरा एडवेंचर ट्रेकिंग होता है और अगर आप इसका शौक रखते हैं तो आज हम आपको दक्षिण भारत के एडवेंचर पॉइंट के बारे में बताएंगे। ट्रेकिंग जैसे रोमांचक एडवेंचर के लिए दक्षिण भारत के राज्य भी काफी ज्यादा खास माने जाते हैं। दक्षिण भारत न केवल स्मारकों, मंदिरों और वास्तुकला का प्रदर्शन करता है, बल्कि भारत का यह भू-भाग वन्य जीवन, चाय-कॉफी के बागानों और पहाड़ी इलाकों के लिए भी जाना जाता है।

नीलगिरी, तमिलनाडु : नीलगिरी पहाड़ी तमिलनाडु राज्य के पश्चिमी घाट का एक हिस्सा है। तमिलनाडु में बना यह पर्वतीय क्षेत्र कर्नाटक और केरल के बॉर्डर को मिलाता हैं। नीलगिरी जिले के अंतर्गत ऊटी, कोटागिरी और कुन्नूर तमिलनाडु के सबसे खास ट्रेकिंग करने वाली जगह में गिने जाते हैं।

कूर्ग, कर्नाटक : दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में स्थित कूर्ग एक बेहद ही खूबसूरत जगह है यहां चारों तरह हरियाली और शांति ही शांति है। यहां पर बने ट्रेकिंग पॉइंट पर ट्रेक करने का अपना ही मजा है। जनवरी से मई यहां आने का आदर्श समय है। ब्रह्मगिरी रेंज और पुष्पागिरी कर्नाटक में ट्रेकिंग के लिए प्रसिद्ध स्थान माने जाते हैं।

अनंतगिरि हिल्स, आंध्र प्रदेश : आंध्र प्रदेश में बसा अनंतगिरि हिल्स का मौसम ट्रेकर्स को अपनी ओर प्रभावित करता है। यहां की हरी-भरी पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच ट्रेक करना काफी अच्छा लगता है और एक्सप्लोर करने के लिए विभिन्न मार्ग प्रदान करता है। इसलिए अगर आपने पहले कभी ट्रेकिंग अगर नहीं की हो तो आप अपनी शुरूआत यहां से कर सकते हैं। और यहां आप जंगल की सुंदरता का भी आनंद उठा सकते हैं।

कोदाचद्री, कर्नाटक : कर्नाटक राज्य का ये खूबसूरत शहर शिमोगा जिले में कोदाचद्री, साउथ इंडिया का एक कठिन ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। लेकिन यहां पर ट्रेकिंग वे ही लोग कर सकते हैं जो शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हों। अच्छा स्वास्थ्य इस जगह ट्रेक करने की पहली मांग है। कोदाचद्री में कारीकाट्टी चुनिंदा खास ट्रेक मार्गों में गिना जाता है। यह ट्रेक रूप 12-14 किमी लंबा है जिसे पूरा करने में 7 से 8 घंटों का समय लगता है। इसलिए अगर आप शरीरिक रूप से कमजोर हैं तो इस ट्रेक रूट का चयन न करें। **मुन्नार, केरल** : दक्षिण भारत का बेहद खूबसूरत राज्य केरल है और केरल की सुंदरता को और बढ़ाने वाला उसका एक खूबसूरत हिल स्टेशन है मुन्नार। ये केरल में घूमने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। मुन्नार के पहाड़ी इलाके बेस्ट ट्रेकिंग के लिए जाने जाते हैं। घुमावदार रास्तों के साथ, चाय के बागानों से होते हुए ट्रेकिंग करना किसी सपने से कम नहीं। अनामुडी मुन्नार की सबसे ऊंची चोटी है जिसे ट्रेकर्स द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

500 साल पुराना मेहरानगढ़ किले से दिखता है पूरा पाकिस्तान

भारत में घूमने के लिए इतने खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं कि आपकी पूरी जिंदगी कम पड़ जाएगी। यहां ऐतिहासिक किलों को देखने के लिए आपको सालों-साल लग जाएंगे। आज हम आपको ऐसे ही दिलचस्प किले के बारे में बताने जा रहे हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ किला 120 मीटर ऊंची एक पहाड़ी पर बना हुआ है। इस तरह से यह किला दिल्ली के कुतुब मीनार की ऊंचाई (73 मीटर) से भी ऊंचा है। किले के परिसर में सती माता का मंदिर भी है। **क्या है खास** : इस किले के दीवारों की परिधि 10 किलोमीटर तक फैली है। इनकी ऊंचाई 20 फुट से 120 फुट तथा चौड़ाई 12 फुट से 70 फुट तक है। इसके परकोटे में दुर्गम रास्तों वाले सात आरक्षित दुर्ग बने हुए थे। किले के अंदर कई भव्य महल, अद्भुत नक्काशीदार दरवाजे, जालीदार खिड़कियां हैं। इस किले के भीतर बहुत से बेहतरीन चित्रित और सजे हुए महल हैं जिनमें मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह

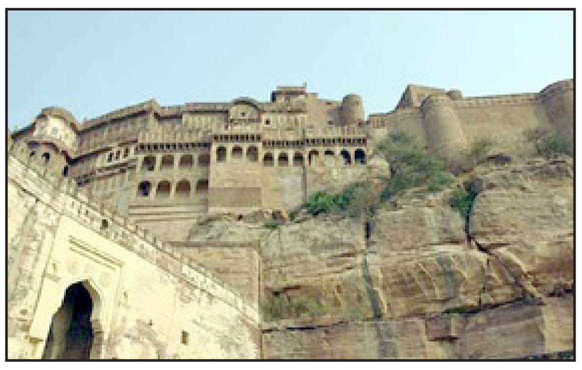

खाना और दौलत खाने का समावेश है। साथ ही किले के म्यूजियम में पालकियों, पोशाकों, संगीत वाद्य, शाही पालनों और फर्नीचर को जमा किया हुआ है। किले की दीवारों पर तोपें भी रखी गयी हैं, जिससे इसकी सुन्दरता को चार चाँद भी लग जाते हैं। जोधपुर शासक राव जोधा ने 12 मई 1459 को इस किले की नींव डाली और महाराज जसवंत सिंह (1638-78) ने इसे पूरा किया। यानि इस किले का इतिहास 500 साल पुराना है। इस किले में कुल सात दरवाजे हैं जिनमें से सबसे प्रसिद्ध द्वारों का उल्लेख नीचे किया गया हैः - जय पोल (विजय का द्वार), इसका निर्माण महाराजा मान सिंह ने 1806 में जयपुर और बीकानेर पर युद्ध में मिली जीत की ख़ुशी में किया था। - फ़तेह पोल, इसका निर्माण 1707 में मुगलों पर मिली जीत की ख़ुशी में किया गया। - डेढ़ कंग्र पोल, जिसे आज भी तोपों से की जाने वाली बमबारी का डर लगा रहता है। - लोह पोल, यह किले का अंतिम द्वार है जो किले के परिसर के मुख्य भाग में बना हुआ है। इसके बायीं तरफ ही रानियों के हाथों के निशान हैं, जिन्होंने 1843 में अपने पति, महाराजा मान सिंह के अंतिम संस्कार में खुद को कुर्बान कर दिया था। **किले से दिखता है पाकिस्तान** : 1965 में भारत-पाक के युद्ध में सबसे पहले मेहरानगढ़ के किले को टारगेट किया गया था लेकिन माना जाता है कि माता की कृपा से यहां किसी का बाल भी बांका नहीं हुआ। यहां किले की चोटी से पाकिस्तान की सीमा दिखती है। **दौलत खाना- मेहरानगढ़ संग्रहालय का खजाना** : ये गैलरी भारतीय इतिहास के मुग़ल शासन काल के सबसे महत्वपूर्ण और अच्छे संरक्षित कलेक्शन्स में से एक है, राठौर शासकों के दौरान जोधपुर ने मुग़ल शासकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे थे। इनमें कुछ अवशेष मुग़ल सम्राट अकबर के भी हैं। **शस्त्रागार** : इस गैलरी में जोधपुर के सभी वर्षों के कवचों के दुर्लभ कलेक्शन को दर्शाया गया है। प्रदर्शनी में तलवार की जेड, चांदी, राइनो सींग, हाथी दांत, रत्न जड़ित कवच, पन्ना और मोती और बंदूकें जिनकी नलियों पर गोल्ड व सिल्वर से काम किया गया है शामिल है। इस प्रदर्शनी में सम्राटों की व्यक्तिगत तलवारों को भी दर्शाया गया है, जैसे राव जोधा की खांडा के कुछ ऐतिहासिक अवशेष, जिसका वजन लगभग 3 ु है, महान अकबर की तलवार और तैमूर की तलवार। **पेंटिंग्स** : इस गैलरी में मारवाड़ और जोधपुर के रंगों को दर्शाया गया है, जो मारवाड़ के चित्रों का बेहतरीन उदाहरण है। **पगड़ी गैलरी** : मेहरानगढ़ संग्रहालय की पगड़ी गैलरी में रक्षा, दस्तावेज और राजस्थान में प्रचलित पगड़ियों के कई अलग अलग प्रकार को दर्शाया गया है; क्योंकि हर समुदाय, क्षेत्र और त्योहारों की अपनी अलग पहचान होती है।

जिम कॉर्बेट का ढिकाला जोन है बहुत ही खूबसूरत और शांत पर्यटक स्थल

उत्तराखंड जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क का ढिकाला जोन पाटिल दून घाटी पर स्थित एक बहुत ही खूबसूरत और शांत पर्यटक स्थल है। ये ऐसी जगह है जहां आप अपने तनाव को दूर कर सकते हैं यहां की खूबसूरती और शांति आपको अपने से बांध लेगी और ये जगह छोड़ने का आपका मन बिलकुल नहीं करेगा। **टाइगर रिजर्व ढिकाला** ढिकाला दुनिया भर में अपनी वाइल्ड लाइफ के लिए मशहूर है। वैसे तो कोर्बेट के और भी जोन हैं जेसे झीरना, बिजरानी, सीताबनी, गैराल, दुर्गा देवी ये सभी बहुत ही खूबसूरत हैं और टाइगर रिजर्व भी है लेकिन ढिकाला इन सब में अपनी अगल पहचान के लिए जाना जाता है। ढिकाला बहुत ही घना जंगल है। यहां पर सफारी करते वक्त कब आपका सामना टाइगर से हो जाए कोई नहीं बता सकता। सफारी के दौरान ढिकाला जोन में सबसे ज्यादा जानवरों का साइट सीन होता घना जंगल होने के कारण जानवरों की संख्या ज्यादा है। यहां आपको हिरण, जंगली हाथी, चीतल, कोबरा सांप, तरह तरह के सरीसृपों और विभिन्न पक्षियों को देखने क अवसर मिलेगा। **100 साल पुराना है यहां का रेस्टहाउस** : जिम कॉर्बेट में अगर आप जंगल के अंदर रहना चाहते हैं और जंगल के बीचों बीच जानवरों की आहट के साथ आप रात गुजारना चाहते हैं तो आप ढिकाला जोन में ये एडवेन्चर भी कर सकते हैं। यहां रहने के लिए एक बेहद खूबसूरत और जन्नत जेसी जगह पर एक रेस्टहाउस है। ये खूबसूरत रिजोर्ट 100 साल पुराना है इसे अंग्रेजों ने बनवाया था। इसकी बनावट आपको आकर्षित करेगी, ये काफी बड़ा है। इस जोन में केवल 20 परिवार ही एक दिन में रह सकते हैं। यहां सरकार का सख्त पहरा है। सब कुछ सरकार की निगरानी में होता है। **45 दिन पहले करनी होगी बुकिंग** : उत्तराखंड सरकार के अधीन होने के कारण यहां के नियम दूसरे टूरिस्ट प्लेसों से अलग हैं। यहां जाने के लिए आपको 45 दिन पहले ऑनलाइन बुकिंग करवानी पड़ेगी। यहां पर उसी जिप्सी की एंट्री होती है जिसका जिम कॉर्बेट का परमिट होता है। सख्त चैकिंग के बाद आपको गेट से अंदर भेजा जाता है और जंगल की सुरक्षा के लिहाज से आप मीट, शराब, सिगरेट जंगल के अंदर नहीं ले जा सकते इससे आप को खतरा हो सकता है।

पांच सौ साल पुराना किला, आज भी बना हुआ आकर्षण का केंद्र

राजस्थान में ऐसे तो कई जिलों में किलों की अपनी विरासत और पहचान है, लेकिन प्रदेश के दूसरे बड़े जिले जोधपुर में साढ़े पांच सौ साल पुराने किलों में से मेहरानगढ़ किला आज भी दूसरे किलों से बेमिसाल है। यह किला पर्यटकों

के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।व्यापक रखरखाव और अपनी खूबसूरती के लिए जोधपुर का यह किला यहां के वासियों और पर्यटकों को भी अच्छा लगता ही है। साथ ही कला प्रेमियों की पसंद का केन्द्र है। एक साल में लगभग 11 लाख सैलानी इस किले को निहारते हैं। **125 मीटर ऊंचाई बना है किला** : 15वीं शताब्दी का विशालकाय जोधपुर का मेहरानगढ़ किला, पथरीली चट्टान के ऊपर जमीन से 125 मीटर ऊंचाई के ऊपर बना हुआ है। आठ दवाजों और अनगिनत बुर्जो सें युक्त दस किलोमीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है। किले के अंदर भव्य महल, अदभुत नक्काशीदार गेट,जालीदार खिड़कियों और प्रेरणा देने वाला नाम है, जिसमें मोती महल, फूल महल, सिलेह खाना, दौलत खाना शामिल हैं। इन मेहलों में भारतीय राजवंशों के साज-सामान का विस्मयकारी संग्रह भरे हुए हैं। **पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केंद्र** : मेहरानगढ़ दुर्ग की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस किले को बार-बार देखने को जी चाहता है और जितनी बार देखो उतनी बार ही आकर्षण लगता है। इस मेहरानगढ़ किले को देखने के लिए देश के पर्यटक तो आते ही हैं। साथ ही विदेशी सैलानी भी इस किले की तारीफ करते थकते नहीं हैं। पड़ोसी राज्य के लोग तो खासकर इस किले को देखने आते हैं। **लगातार बढ़ रही पर्यटकों की संख्या** : किले के निदेशक करणी सिंह जसोल का कहना है कि एक साल में लगभग 10 लाख भारतीय और 1 लाख विदेशी सैलानी इस किले को देखते हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। विदेशी सैलानी भी इस किले की खूब तारीफ करते हैं तो स्थानीय लोगों को भी यह किला खूब भाता है। **इस मंदिर का है खास महत्व** : गौरतलब है कि राव जोधा संवत 1460 में मेहरानगढ़ किले के पास चामुंडा माता का मंदिर भी बनाया और मूर्ति की स्थापना की थी। मंदिर का दरवाजा आम आदमियों के लिए भी खोला गया है। चामुंडा माता खाली शासकों की नहीं बल्कि अधिकतर जोधपुर वासियों की कुलदेवी भी हैं और आज भी लाखों लोग इस देवी की पूजा करते हैं। नवरात्रों के दिनों में इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है। खास बात तो यह है कि देश-विदेश से आने वाले कोई भी पर्यटक इस किले को देखे बिना नहीं जाते है।

वेट लॉस जर्नी में इन टिप्स की मदद से खुद को करें मोटिवेट

किसी भी काम को करने के लिए मोटिवेशन होना बेहद जरूरी है। ऐसा ही कुछ वेट लॉस के साथ भी है। कुछ लोग बहुत ही एनर्जी के साथ वेट लॉस जर्नी शुरू करते हैं, लेकिन सही मोटिवेशन ना होने के कारण वे अपनी जर्नी को बीच में ही छोड़ देते हैं। इसके बाद अपनी बॉडी को ही दोष देना शुरू करते हैं कि उनका वजन कम हो ही नहीं सकता। हो सकता है कि आप सही तरह से वेट लॉस कर रहे हों, लेकिन मोटिवेशन ना होने के कारण आप अपनी जर्नी को आगे ना बढ़ाना चाहते हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप वजन कम करते हुए खुद को मोटिवेट कर सकते

हैं- जब भी आप कोई काम करते हैं तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण अवश्य होना चाहिए। जिस भी काम के पीछे कारण नहीं होता है, वह कभी भी सफल नहीं होता है। इसलिए, पहले खुद से पूछें कि आप वजन कम क्यों करना चाहते हैं। मसलन, आप सिर्फ अपनी बॉडी को शेप में रखना चाहते हैं या फिर भयंकर बीमारियों को मात देना चाहते हैं। जब आपके पास कोई कारण होगा तो ऐसे में आप जल्दी से अपना कदम पीछे नहीं लेंगे।

कई बार जब हम अकेले दौड़ रहे होते हैं तो जल्द ही रेस को बीच में छोड़ देते हैं। आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए ऐसे लोगों की कम्युनिटी में जुड़े, जो फिटनेस फ्रीक हों। उनसे आपको बहुत अधिक मोटिवेशन मिलेगा। साथ ही, उनसे कई नई तरह की जानकारियां भी हासिल होंगी। जिससे आप खुद को अधिक मोटिवेटिड फील करेंगे और अपनी वेट लॉस जर्नी को बीच में छोड़ने का ख्याल भी आपके मन में नहीं आएगा।

अगर आप चाहते हैं कि आप अपनी जर्नी बीच में ना छोड़ें तो इसके लिए जरूरी है कि आप रियलिस्टिक गोल्स सेट करें। आप यह सोच लें कि आपको कितना वजन कम करना है और उसके लिए समय भी सुनिश्चित करें। महीने में एक से दो किलो वजन कम करने का लक्ष्य रखें।

सिनेमा के 30 साल और निडर सफर! बिना किसी 'मास्टर प्लान' की सफलता पर की खुलकर बात

मुम्बई। भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में से एक, रानी मुखर्जी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शानदार तीन दशक पूरे कर लिए हैं। 'राजा की आएगी बारात' से शुरू हुआ यह सफर आज उस मुकाम पर है जहाँ वे अपनी शर्तों पर फिल्में चुनती हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान रानी ने अपनी यात्रा, सिनेमा के प्रति अपने साहस और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' पर दिल खोलकर चर्चा की।

एक्ट्रेस ने यश राज फिल्म्स के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर एक पर्सनल नोट शेयर करके इस मील के पत्थर को सेलिब्रेट किया। उन्होंने अपने करियर पर बात की, और कहा कि यह इंस्टिंक्ट से बना है, न कि एम्बिशन से। मुखर्जी ने अपनी जर्नी को कहानी कहने के प्यार, इमोशनल ईमानदारी और एक ऐसी मज़बूती से भरा बताया जिसने सालों से उनके फैसलों को तय किया है।

इस पल को 'अनरियल' बताते हुए, मुखर्जी ने लिखा कि समय बहुत जल्दी बीत गया क्योंकि उन्होंने एक्टिंग को कभी मंज़िल नहीं माना। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्मों में कोई मास्टर प्लान लेकर नहीं आई थी,' यह याद करते हुए कि सिनेमा उन्हें लगभग इत्तेफ़ाक से मिला। अपनी पहली फिल्म के सेट पर एक नर्वस लड़की से लेकर हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा फीमेल स्टार्स में से एक बनने तक, उन्होंने खुद को अभी भी उस शुरुआती कमज़ोरी और जिज्ञासा को हर रोल में ले जाने वाला बताया।

'ब्लैक' से लेकर 'हिचकी' और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' तक, रानी ने हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ चुनी हैं। उन्होंने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उनका साहस तब दिखता है जब वे व्यावसायिक सफलता के बजाय सार्थक सिनेमा को चुनती हैं। 30 वर्षों के इस पड़ाव पर भी वे उतनी ही ऊर्जावान हैं और मानती हैं कि सिनेमा को सामाजिक बदलाव का जरिया होना चाहिए।

मुखर्जी ने राजा की आएगी बारात (1997) से डेब्यू किया, एक ऐसी फिल्म जिसके बारे में वह कहती हैं कि इसने सिनेमा को ग्लैमर नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी के तौर पर समझने में मदद की। अपने करियर की शुरुआत में गरिमा के लिए लड़ने वाली महिला का किरदार निभाने का उन किरदारों पर गहरा असर पड़ा जिनकी तरफ वह बाद में आकर्षित हुईं -- ऐसी महिलाएं जो सिस्टम को चुनौती देती हैं, पितृसत्ता पर सवाल उठाती हैं, और पीछे हटने से इनकार करती हैं।

उन्होंने याद किया कि 1990 के दशक का आखिर का समय, न सिर्फ प्रोफेशनली बल्कि इमोशनली भी, बदलाव लाने वाला था। उन्होंने कहा कि उस दौर की फिल्मों ने उन्हें यह समझने में मदद की कि हिंदी सिनेमा लोगों की ज़िंदगी में कैसे जुड़ा हुआ है। उन्होंने लिखा, 'दर्शक ही आपकी किस्मत तय करते हैं,' अपनी जर्नी को आकार देने का श्रेय दर्शकों को देते हुए।

2000 के दशक की शुरुआत एक टर्निंग पॉइंट था जब मुखर्जी को साथिया (2002) से अपनी पहचान मिली, और उन्होंने स्क्रीन पर कमज़ोर, जल्दबाज़ और

इमोशनली कॉम्प्लेक्स महिलाओं के किरदार निभाए। हम तुम (2004) जैसी फिल्मों ने उन्हें ह्यूमर और कमज़ोरी को एक्सप्लोर करने का मौका दिया, जबकि ब्लैक (2005) उनके करियर के सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक साबित हुई। उन्होंने कहा कि संजय लीला भंसाली और अमिताभ बच्चन के साथ काम करने से उन्हें अनजाने इमोशनल एरिया में जाने का मौका मिला और एक एक्टर के तौर पर उन्हें खामोशी और सुनने की ताकत सिखाई। बंटी और बबली (2005), नो वन किल्ड जेसिका (2011) और मर्दानी (2014) फ्रेंचाइजी जैसी फिल्मों में, मुखर्जी ने ताकत और प्रतिरोध पर आधारित किरदारों के प्रति अपने लगातार झुकाव को स्वीकार किया। मर्दानी के बारे में उन्होंने लिखा कि शिवानी शिवाजी रॉय ज़ोरदार हीरोपंती के बजाय 'शांत ताकत' को दिखाती है, और इसने उन्हें ऐसी कहानियाँ कहने का मौका दिया जो शायद मुश्किल हों लेकिन ज़रूरी थीं।

मुखर्जी ने कहा कि शादी और माँ बनने से उनकी रफ़्तार धीमी नहीं हुई, बल्कि उनका फोकस और तेज़ हो गया। अपने काम को लेकर ज़्यादा सेलेक्टिव होने से उन्हें अपनी पसंद को उस तरह की विरासत के साथ जोड़ने में मदद मिली जो वह बनाना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि हिचकी (2018) ने कमज़ोरी के बारे में उनकी समझ को गहरा किया और कहानी कहने में प्रतिनिधित्व और सहानुभूति के महत्व को फिर से पक्का किया।

हाल ही में, मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे (2023) ने उनके इस विश्वास को फिर से पक्का किया कि इमोशनल सच्चाई भाषा और सीमाओं से परे होती है। इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला, जिसे उन्होंने एक प्रतीकात्मक पल बताया, जो माँ बनने के अनुभव के बाद आया। इस सम्मान को विनम्रता से स्वीकार करते हुए, मुखर्जी ने एक कलाकार के तौर पर समय, किस्मत और पर्सनल ग्रोथ पर विचार किया।

अपने तीन दशक लंबे करियर को समेटते हुए, 47 साल की अभिनेत्री ने लिखा कि लंबा करियर प्रासंगिकता के बारे में नहीं, बल्कि ईमानदारी के बारे में है - अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करना, भले ही वे ट्रेंड के खिलाफ हों। उन्होंने कहा कि बॉक्स ऑफिस नंबर या अवॉर्ड के बजाय, वह पलों को महत्व देती हैं: बारिश में भीगे हुए शॉट्स, मुश्किल दृश्यों के बाद की खामोशी, और एक ऐसे परफॉर्मेंस की संतुष्टि जो लोगों से जुड़ती है।

आगे देखते हुए, अभिनेत्री ने बताया कि मर्दानी 3 (2026) के साथ सिनेमा में अपने 30 साल पूरे करना उन्हें खास तौर पर सार्थक लगता है। इसे ब्रह्मांड का एक संकेत बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह फ्रेंचाइजी उन्हें आज की महिलाओं की भावना और भारतीय पुलिस बल, खासकर महिला अधिकारियों के लचीलेपन को सलाम करने का मौका देती है। अपने नोट को आभार के साथ खत्म करते हुए, रानी मुखर्जी ने अपने सहयोगियों और दर्शकों को उनकी यात्रा में साथ देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, 'जब तक बताने के लिए कहानियाँ और खोजने के लिए भावनाएँ हैं, मैं इस खूबसूरत, चुनौतीपूर्ण कला की छात्रा बनी रहूँगी,' और कहा कि 30 साल बाद भी, उन्हें अभी भी एक नई कलाकार जैसा महसूस होता है - जो और कड़ी मेहनत करने, नई चुनौतियों का सामना करने और एक नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। मर्दानी 3, अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और उनके पति वाईआरएफ के आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, 30 जनवरी को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है।

मौनी रॉय ने अपनी अदाओं से जीता फैंस का दिल

मुम्बई। मौनी रॉय टीवी इंडस्ट्री का बड़ा चेहरा होने के साथ ही बॉलीवुड की डिमांडिंग एक्ट्रेस में भी जुड़ गई हैं। मौनी रॉय ने फिल्म 'गोल्ड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता के बाद मौनी रॉय की झोली में कई और बड़े प्रोजेक्ट आ गए हैं। सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ वीडियो और फोटोज के जरिए जुड़ी रहने वाली मौनी ने वर्ल्ड डांस डे के दिन एक बहुत ही जबरदस्त डांस वीडियो शेयर किया है जिसे उनके फैंस पसंद कर हैं। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर किया है जिसमें वो सफेद रंग का कुर्ता पहने बेहद ही सुंदर अंदाज में डांस करते हुए दिखाई दीं। कृष्ण भक्ति के गानों पर थिरकतीं मौनी रॉय राधा रानी सी मगन होकर नाचती दिख रही हैं। मौनी रॉय ने लगातार 5 वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए जिसमें से तीन में मौनी सफेद कुर्ते में और दो वीडियो में लाल कुर्ता और सलवार पहने नजर आ रही हैं। 'मोहे पनघट पे नंद लाल छेड़ गयो रे' गाने पर कथक डांस करती दिख रही हैं। एकता कपूर के सीरियल 'नागिन' से मौनी रॉय ने टीवी पर अपनी पहचान बनाई। सीरियल के हीट होने के बाद अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' में काम किया। फिल्म 'रोमिओ अकबर वॉलटर' में जॉन अब्राहम के साथ नज़र आई और इसके बाद अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नेगेटीव रोल प्ले करते दिखाई देंगी।

सारा अली खान के इश्क में पड़े कार्तिक आर्यन!

मुम्बई। प्यार का पंचनामा फिल्म से मशहूर कार्तिक कार्यन के सितारे इस समय बॉलीवुड में बुलंदी पर हैं। लगातार हिट फिल्म देने के बाद उनकी फैंन फॉलोइंग भी बढ़ती जा रही हैं। इसी फिल्म में एक बड़ा नाम शामिल हुआ था सारा अली खान का। फिल्म सिंबा के प्रमोशन के दौरान जब सारा अली खान कोफी विद करण गई थी तब सारा ने कहा था कि वो कार्तिक आर्यन को डेट करना चाहती हैं। इस कन्फेन के बाद खबरें आने लगी की ये दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसी दौरान दोनों को फिल्म 'लव आज कल 2' के लिए भी साइन कर लिया गया हैं। इस खबर का खुलासा तब हुआ जब सारा अली खान के घर कार्तिक आर्यन मीडिया से लुका छुपी करते दिखाई दिये। कार्तिक आर्यन ने इस दौरान हुडी वाली काली ड्रेस पहने हुए थे। कार्तिक आर्यन एक टोपी से अपना चेहरा मीडिया से छुपाते हुए दिख रहे थे। सारा अली खान के घर के बाहर जब मीडिया नें कार्तिक आर्यन तो स्पोट किया तब वह अपना चेहरा छुपाते हुए गाड़ी में बैठ कर चले गये। आपको बता दें कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लव आज कल के सीक्वल में साथ नजर आने वाले हैं इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग मुंबई में

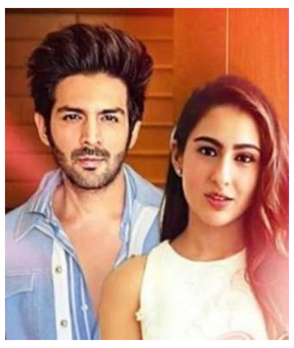

चल रही हैं। दोनों शूटिंग के दौरान कई बार एक साथ भी दिखे हैं। फिल्म 'लव आजकल 2 ' की बात करें तो फिल्म के सेट से कई तस्वीरें और वीडियोज पहले ही सामने आ चुके हैं। सारा अली खान और कार्तिक आर्यन का किस करते हुए भी एक वीडियो सामने आया था। फिलहाल फिल्म की शूटिंग दिल्ली, राजस्थान के कई शहरों और मुंबई में हो रही है।

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और सारा अली खान बनीं सोशल मीडिया क्वीन!

मुम्बई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस, दीपिका पादुकोण और सारा अली खान ने 'इंस्टाग्रामर्स ऑफ द ईयर ' जीता है। ये तीन अभिनेत्रियां पूरे साल देश भर में इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा व्यस्त व सक्रिय रहीं। 39 करोड़ फॉलोअर्स के साथ इन तीनों का इंस्टाग्राम अकांउट 'मोस्ट फॉलोड अकांउट' के रूप में उभरा। स्टार क्रिकेटर विराट कोहली 'इंगेज्ड अकाउंट ऑफ द ईयर' के रूप में उभरे। दीपिका एक बयान में ने कहा, ''सोशल मीडिया के बारे में मुझे सबसे ज्यादा पसंद यह है कि यहां मैं फैंस से सीधे इंटरैक्ट कर पाती हूं, और उनसे पर्सनल एवं भरोसेमंद तरीके से कनेक्ट हो

पाती हूं। मैं शब्दों का ज्यादा उपयोग नहीं करती, लेकिन भावनाओं द्वारा अपनी बात कहती हूं। मेरा मानना है कि खुद की अभिव्यक्ति के लिए फोटोग्राफ सबसे अच्छा तरीका है।'' साल 2018 में सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपना डेब्यू किया। पूरे साल शानदार रूप से अपने फैन बेस को बढ़ाने के लिए वह 'राइजिंग स्टार अवार्ड' जीतीं।सारा कहती हैं, ''इंस्टाग्राम का प्लेटफॉर्म मुझे अपने रूप में रहने और सीधे दर्शकों से जोड़ने में मदद करता है। मैं इस पर अच्छे खाने के बारे में तलाश करती हूं, यात्रा के लिए नई व रोचक जगह तलाशती हूं और लोगों की जानकारी भी लेती हूं।

आरपार दिखने वाली वेडिंग ड्रेस पहनकर पहुंचीं करीना कपूर खान

मुम्बई। बॉलीवुड की बेगम यानी करीना कपूर खान उन हसीनाओं में से एक हैं, जिन पर इंडियन से लेकर वेस्टर्न, स्पार्कली-शाइनी और स्ट्रीट स्टाइल हर तरह के कपड़े बेहद सूट करते हैं। करीना को न केवल बोल्ड रिस्की सिल्हूट्स पहनना पसंद है बल्कि शिमरी और ब्लिंगी आउटफिट्स को भी पूरे कॉन्फिडेंस और ग्रेस के साथ कैरी करने में वह माहिर हैं।

हालांकि, एक ऐसा वक्त था, जब बेबो ज्यादा से ज्यादा जींस और टॉप की जोड़ी में ही नजर आती थीं लेकिन अब उनकी अलमारी में फ्री-फ्लोइंग ड्रेसेस को काफी स्पेस है, जिसमें वह न केवल बहुत प्यारी लगती हैं बल्कि उनका स्टाइल कोशंट भी एकदम उभर के नजर आता है। हां, वो बात अलग है कि जब भी करीना बोल्ड या हटकर कपड़े पहनती हैं, तो वह अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर आ जाती हैं। ऐसा ही कुछ हमें तब देखने को मिला, जब बेबो को बी-टाउन गलियारे के अवॉर्ड फंक्शन में स्पॉट किया गया। **इवेंट फंक्शन में पहुंची थीं बेबो:** दरअसल, करीना की स्टाइल फाइल्स को फॉलो करने वाले लोग यह बात अच्छे जानते होंगे कि बेबो को चिक लुक्स बेहद पसंद हैं, जो सिंपली कैजुअल-स्टाइलिश एंड अट्रैक्टिव हों। ऐसा ही कुछ हमें साल 2017 में आयोजित फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स में देखने को मिला था, जहां करीना कपूर खान इजराइली फेमस फैशन डिज़ाइनर ऊँर्त ऊँर्न का डिज़ाइन किया हुए वाइट वेडिंग गाउन पहनकर पहुंची थीं। हालांकि, बेबो की ड्रेस तो एक नंबर थी लेकिन उसकी स्टाइलिंग इतनी वर्स्ट थी कि उन्हें देखते ही ट्रोलर्स के कमेन्ट्स की बाढ़ आ गई। करीना कपूर की स्टाइलिश ड्रेस का लोगों ने उड़ाया मजाक, बोले- 'बेबो मैं बेबो, कैसे भी कपड़े ले लूं' **आरपार दिखने वाला ऑउटफिट:** करीना कपूर ने अपने लिए डिज़ाइनर के प्री फॉल कलेक्शन से वाइट फ्लोर स्वीपिंग पेप्लम गाउन चुना था, जो आरपार दिखने वाले कपड़े में था। ऑउटफिट पूरी तरह से कवरिंग पैटर्न में था, जिसमें ऐड की गईं फ्लैट बेल स्लीव्स और विक्टोरियन

नेकलाइन ओवरऑल अटायर को बहुत खूबसूरती से कॉम्पलिमेंट कर रही थीं। ड्रेस का मटीरियल काफी पतला था, जिसमें मैचिंग के शेड का लॉन्ग स्ट्रेट कट इनर जोड़ा गया था। इस सेट को बनाने में पूरी तरह से इस शीर और शांटले लेस फैब्रिक का इस्तेमाल किया था, जो क्लीवेज पोर्शन से लेकर एंकल लेंथ तक में शीयर लुकिंग क्रिएट कर रहा था। **रेशमी धागों से कढ़ाई:** ड्रेस फिट एंड फ्लेयर लुक में थी, जिसकी खूबसूरती को उभारने के लिए रेशमी धागों से हाथ का काम किया गया था। अटायर में फूल-पत्ती जैसे रूपांकनों को उकेरा गया था, जो हेवी एम्ब्रोडरी में न होकर टेस्टिकल थ्रेडवर्क और ट्यूल एप्लिक के साथ थे। ऑउटफिट शीयर मटीरियल मेड होने के कारण उसके साथ साटन फैब्रिक का इनर ऐड किया था, जो कशीदाकारी कढ़ाई को काफी शाइनीयर लुक दे रहा था। ड्रेस में छोटी सी फिशटेल बनी थीं, जो बेबो के फ्लैट टमी-टोंड लेग्स और ऐब्स को हाइलाइट करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही थी। वहीं बस्ट एरिया को स्वीटहार्ट लुक दिया था, जो इस बोल्ड ऑउटफिट को रिलैक्सिंग लुक दे रहा था। जब करीना कपूर के स्टाइलिश लुक पर भारी पड़ा 13 साल छोटी सारा अली खान का फैशन

भयानक था मेकअप: इस बात में कोई दोराय नहीं कि इज़राइली डिज़ाइनर का फिटेड बस्ट और स्लीक स्कर्ट वाला यह वेडिंग गाउन बेबो के अब तक के लुक्स में सबसे हटकर था, जिसमें किसी तरह की कोई कमी निकालना बहुत ही गलत होगा। हालांकि, करीना ने जिस स्टाइल से इस ड्रेस को पहना था, वो उन्हें बहुत ही डरावना लुक दे रही थी। अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए करीना ने बीच वेव्ज़ के साथ ड्यूई मेकअप किया था, जो इस क्लासिक वाइट के साथ बिल्कुल भी मैच नहीं कर रहे थे। एक तरफ जहां लिप शेड इतना डार्क था कि उसे समझने में ही घंटों लग जाएंगे तो वहीं मिडिल पार्टेड कैस्केडिंग कर्ल्स बेबो के फेस को दबा रहे थे।

'भूतों की दुल्हनिया': आपको बता दें कि करीना कपूर खान ने अपने लिए जो ड्रेस चुनी थी, वह डिज़ाइनर के ब्राइडल कलेक्शन से है। विदेशों में शादी के दौरान इस तरह के ऑउटफिट्स भी चलन में हैं, जिसे ध्यान में रखकर ही इस अटायर को डिज़ाइन किया है। हालांकि, करीना की ड्रेस बहुत ही लाजवाब थी लेकिन बेबो की स्लिम फिगर पर यह बिल्कुल भी अच्छी नहीं लग रही थी।

'हम हैं राही प्यार...' की रीमेक में आमिर की भूमिका निभाना चाहता है यह स्टार, फिल्म से है दिल का रिश्ता!

अभिनेता कुणाल खेमू ने कहा है कि यदि 'हम हैं राही प्यार के' फिल्म का रीमेक बनता है तो वह उसमें अंकल (आमिर खान) की भूमिका अदा करना चाहेंगे।

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी, 'हम हैं राही प्यार के' एक रोमेंटिक कॉमेडी ड्रामा है जिसमें आमिर खान और जूही चावला मुख्य किरदार में हैं। इसी फिल्म में कुणाल बाल अभिनेता की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक आदमी राहुल (आमिर) के आसपास घूमती है, जिसे अपने बिगड़ैल भतीजे सनी, विक्की और भतीजी मुननी को पालना था।

'हम हैं राही प्यार के' फिल्म के रीमेक पर कुणाल के विचार के सवाल पर उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हां! मैंने इसके बार में सोचा है और इस बार तीन बच्चों के साथ अंकल की भूमिका निभाना काफी दिलचस्प रहेगा। हालांकि, यह केवल तभी समझ में आता है जब उस फिल्म से मेरा किरदार सनी बड़ा हो गया हो और वह भी ऐसी परिस्थिति में हो।'

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ऐसी क्लासिक्स मूवी को इस तरह रीमेक किया जाना चाहिए, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो किसी को इसके लिए पूरा न्याय करना होगा।' 35 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि वह एक दर्शक के रूप में भी फिल्म को देखने के लिए उत्सुक होंगे।

बता दें कि हाल ही में कुणाल खेमू मल्टी स्टारर फिल्म 'कलंक' में नजर आए थे, इस फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था वहीं इन दिनों कुणाल फिल्म 'मलंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

किंग खान ने पत्नी गौरी से बोला था यह झूठ!

मुम्बई। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान और गौरी की लव स्टोरी के कई किस्से हम सबके सामने आए दिन आते ही रहते हैं। लेकिन अब एक ऐसा वाकया सामने आया है जब शाहरुख खान ने अपनी नई नवेली दुल्हन से एक बड़ा झूठ बोला था। जी हां! शाहरुख खान ने यह किस्सा खुद ही सुनाया है कि कैसे पैसों की तंगी के चलते उन्होंने गौरी खान से हनीमून ले जाने को लेकर झूठ बोला। हाल ही में एक अवॉर्ड शो के दौरान यह बात सामने आई। जब अवार्ड शो की मेजबानी कर रहे विक्की कौशल ने दार्जिलिंग में शाहरुख के हनीमून से एक तस्वीर दिखाई और शाहरुख से तस्वीर के पीछे की कहानी पूछी, तो खान ने कहा, 'यह मेरी पसंदीदा तस्वीर है... जब मेरी शादी हुई, तो मैं बहुत गरीब था।' इसके आगे शाहरुख ने बताया कि 'मैं और गौरी मध्यवर्गीय परिवार से थे तो जैसे आम तौर पर हर कोई करता है, मैंने उससे वादा किया था कि हमारी शादी होने के बाद, 'मैं तुम्हें पेरिस ले जाऊंगा और तुम्हें एफिल टॉवर दिखाऊंगा।

बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल से ब्रेकअप के बाद सुष्मिता सेन ने शादी पर कही ये बात, 49 की उम्र में ढूंढ रही दूल्हा

मुम्बई। बॉलीवुड अदाकारा सुष्मिता सेन ने फिल्म इंड्रस्टी में अपना मुकाम बनाया है। एक्ट्रेस आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। सुष्मिता सेन की जिंदगी में प्यार की कोई कमी नहीं रही हैस हालांकि, फिर भी उन्होंने अपना घर नहीं बसा पाया। इस बीच एकट्रेस ने अपनी शादी के प्लांस के बारे में बात की है। हालिए में सुष्मिता सेन से एक फैन ने उनकी शादी के प्लान के बारे में पूछा। इस जवाब को लेकर उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी करने के लिए वो सही इंसान की तलाश कर रही हैं। हालिए में एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम पर फैंस से लाइव सेशन के दौरान बातचीत की। इस दौरान एक फैन ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा जिसे एक्ट्रेस नजरअंदाज नहीं कर पाई। फैन का सवाल का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं भी शादी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी

होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न, शादी भी कर लेंगे। वैसे तो सुष्मिता सेन लाइमलाइट से दूर रहती हैं। बेहद ही कम उम्र में दो बेटियों की गोद लिया है। बेटियों की सारी जिम्मेदारियां एक्ट्रेस ने संभाली हैं। एक्ट्रेस का अफेयर कई सेलेब्स से जुड़ चुका है। इतना ही नहीं, ललित मोदी ने तो एक्ट्रेस के साथ फोटोज शेयर करके उन्हें अपनी होने वाली पतनी तक बता दिया था। पहले एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ अक्सर नजर आती रहती है। लेकिन एक्ट्रेस ने रोहमन संग शादी के बारे में कुछ नहीं कहा। सुष्मिता की फिल्मी करियर के बारे में बात करें तो उनको वेब सीरीज आर्या को लेकर खूब तारीफें बटोरी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ट्रांसजेंडर गौरी सांवत की जिंदगी पर बनी फिल्म ताली में भी नजर आई है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।